mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-107 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
19 अप्रैल 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

# हिमंता बोले: ममता ने वोट के लिए जमीन बांग्लादेशियों को बेची

### बंगाल सीएम बोलीं- भाजपा का पतन कल से शुरू हुआ; राहुल गांधी की तमिलनाडु में 3 रैली

**कोलकाता, एजेंसी।** असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने ने वोटों के लिए बंगाल की जमीन बांग्लादेशी मुसलमानों को बेच दी है। कलिम्पोंग में एक रैली के दौरान हिमंता ने कहा कि जब से ममता सीएम बनी हैं, उन्होंने पूरे बंगाल को बर्बाद कर दिया है। उन्हें सत्ता से हटाना होगा, वरना हम बंगाल खो देंगे।इधर, बंगाल के उलुबेरिया में चुनावी रैली में ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा का पतन कल से शुरू हो गया है। हम पिछले कई दशकों से महिलाओं के



आरक्षण के मुद्दे की वकालत करते आ रहे हैं। यह महिलाओं के आरक्षण का बिल नहीं था, बल्कि इसका संबंध परिसीमन से था; इसलिए हमने इसका विरोध किया।वहीं, शनिवार को तमिलनाडु में राहुल गांधी ने पहली चुनावी रैली की।

**राहुल गांधी का आरोप– पीएम मोदी ट्रम्प के कंट्रोल में है**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के रानीपेट में रैली के दौरान आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कंट्रोल में हैं।उन्होंने कहा कि पीएम तमिलनाडु में AIADMK को सत्ता में लाकर मुख्यमंत्री को भी कंट्रोल करना चाहते हैं।

राहुल गांधी ने यह भी दावा किया कि केंद्र सरकार ने देश की एनर्जी सिक्योरिटी, डेटा और छोटे उद्योगों को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि यह बयान एक चुनावी रैली में दिया गया और इसमें कई गंभीर आरोप लगाए गए, जिन पर सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

**हिमंता बोले– ममता बनर्जी बिना वजह एसआईआर का विरोध कर रहीं**

पश्चिम बंगाल के कलिम्पोंग में असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा– ममता दीदी बिना किसी सही वजह के SIR का विरोध कर रही हैं। इस प्रोसेस में सभी भारतीय नागरिकों के नाम शामिल होंगे, जबकि अवैध बांग्लादेशी मुसलमानों को बाहर रखा जाएगा।

# 'हमने सरकार की साजिश को नाकाम किया, लोकतंत्र की जीत हुई'; प्रियंका गांधी का केंद्र पर हमला

### पुराने महिला आरक्षण बिल को लागू करने की मांग की

**नई दिल्ली, एजेंसी।** महिला आरक्षण बिल के संसद में गिरने का बाद कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि हमने लोकतंत्र की रक्षा की है। हमने परिसीमन को लेकर मोदी सरकार की साजिश को नाकाम कर दिया है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने महिला आरक्षण कानून पर तीन साल तक कुछ नहीं किया और अभी दो दिन पहले ही एक नोटिफिकेशन जारी किया है, इसलिए उसे लागू करना चाहिए। हम पूरी मजबूती से महिला आरक्षण के समर्थन में खड़े हैं।

पूरा विपक्ष एकमत है कि पहले वाला महिला आरक्षण बिल लागू होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जिस तरह से इसे पेश किया और लोकतंत्र के खिलाफ जैसी साजिश रची, हम उसका कभी भी समर्थन नहीं कर सकते।

**कल लोकतंत्र की एक बड़ी जीत हुई– प्रियंका गांधी:** प्रियंका गांधी ने कहा कि कल लोकतंत्र की एक बड़ी जीत हुई है। मोदी सरकार ने लोकतंत्र को कमजोर करने और संघीय ढांचे को बदलने की साजिश की थी, जिसे हमने हरा दिया। ये संविधान की जीत है, देश की जीत है, विपक्ष की एकता की जीत है, जो सत्ता पक्ष के नेताओं के चेहरे पर साफ दिख रही थी।

## पुणे में एयरफोर्स के विमान की हार्ड लैंडिंग :8 घंटे बंद रहा रनवे

**पुणे, एजेंसी।** पुणे एयरपोर्ट का रनवे शुक्रवार देर रात एक IAF विमान की हार्ड लैंडिंग के बाद अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। इस घटना के कारण एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन 8 घंटे तक प्रभावित रहा। भारतीय वायुसेना ने खुद इसकी जानकारी दी।

IAF के मुताबिक, विमान की लैंडिंग के दौरान हुई घटना के बाद, सुरक्षा कारणों से रनवे को तुरंत बंद करना पड़ा। विमान का क्रू सुरक्षित है। किसी भी संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ है। हालांकि एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन सुबह 7.30 बजे के बाद नॉर्मल हो सका। एयरपोर्ट डायरेक्टर के मुताबिक 5 एयरलाइंस की 91 फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ी थीं।

कैंसिल होने वाली फ्लाट्स में इंडिगो की 65, एअर इंडिया की 6, स्पाइसजेट की 5, अकासा एयर की 5, एअर इंडिया एक्सप्रेस की 10 फ्लाइट्स शामिल थीं।

एयरपोर्ट डायरेक्टर के मुताबिक मरम्मत का काम पूरा कर लिया गया है। इसके बाद उड़ानें सुबह 7 :30 बजे से शुरू हो गई हैं। दिन भर में ऑपरेशन सामान्य हो जाएगा।

## 'लड़कियों का शॉर्ट्स पहनना यौन उत्पीड़न को न्योता देता है', वीसी के बयान पर हंगामा

**चेन्नई, एजेंसी।** तमिलनाडु राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (टीएनएनएलयू) के कुलपति वी नागराज के शॉर्ट्स पहनने वाली लड़कियों के यौन उत्पीड़न को न्योता देने वाले बयान पर बवाल मच गया। कुलपति के इस बयान के बाद गुस्साए छात्रों ने बृहस्पतिवार रात भर विरोध प्रदर्शन किया और नागराज से माफी की मांग की ।हालांकि, मामले को शांत करने के मकसद से टीएनएनएलयू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने वीसी के इस बयान को विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा के हित में दी गई पिता तुल्य सलाह करार दिया।

दरअसल, 15 अप्रैल को कक्षा प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए वीसी नागराज ने कहा कि शॉर्ट्स पहनने वाली लड़कियां यौन उत्पीड़न को न्योता देती हैं और दूसरे छात्रों और संकाय का ध्यान भटकाती हैं। उनके इस बयान से छात्र भड़क उठे और विवाद खड़ा हो गया ।उन्होंने वीसी के खिलाफ परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने, सोच को दोष दें, कपड़ों को नहीं, लिखी तख्तियां पकड़ी हुई थीं। बाद में नागराज ने छात्रों को समझाया कि उनके बयान को गलत तरीके से लिया गया। उन्होंने केवल विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा के हित में यह बात कही थी।

### हेयरपिन मोड़ पर हादसा

# तमिलनाडु में ट्रैवलर सड़क से उतरी; 9 की मौत

### केरलम के 13 पर्यटक सवार थे; 5 की हालत गंभीर

**कोयंबटूर, एजेंसी।** तमिलनाडु के वलपरई में शुक्रवार को सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तब हुआ, जब टेम्पो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर हेयरपिन मोड़ से फिसलकर खाई में गिर गया।पुलिस के मुताबिक, गाड़ी केरलम के पेरिंथलमन्ना से आए 13 पर्यटकों को लेकर वलपरई से लौट रहा था। 13वें हेयरपिन मोड़ पर संतुलन बिगड़ा और वाहन फिसलकर 9वें हेयरपिन मोड़ तक गिर गया। हादसे में 1 पुरुष और 8 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को रेस्क्यू कर एंबुलेंस से पोलाची के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

**क्या होता है हेयरपिन मोड़:** जब किसी ऊंचे पहाड़ पर चढ़ना होता है, तो सीधी सड़क बनाना मुमकिन नहीं होता । इसलिए, ऊंचाई पर धीरे-धीरे चढ़ने के लिए सड़क को सांप की तरह घुमावदार बनाया जाता है। जहां सड़क एकदम से मुड़कर वापस उसी दिशा के समानांतर हो जाती है, उसे ही हेयरपिन मोड़ कहते हैं। भारत में कोल्ली हिल्स (तमिलनाडु), सिल्क रूट (सिक्किम), मनाली-लेह हाईवे (हिमाचल प्रदेश) और नैनीताल (उत्तराखंड) में में प्रमुख और चर्चित हेयरपिन मोड़ हैं।

**प्रधानमंत्री ने दुख जताया**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया जताते हुए X पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना से वे बेहद दुखी हैं और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। वहीं, केरलम के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी हादसे पर शोक जताया है। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं और मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

### राजस्थान का युवक स्लीपर सेल, आगजनी का मास्टरमाइंड

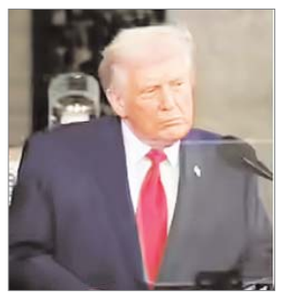

# विदेशियों से ले रहा था ऑर्डर, भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास एक्टिव, दिखावे के लिए करता था खेती

**जैसलमेर, एजेंसी।** राजस्थान-पाकिस्तान बॉर्डर से सिक्योरिटी एजेंसियों ने एक स्लीपर सेल को पकड़ा है। आरोपी विदेशी आकाओं के ऑर्डर से कई देश विरोधी एक्टिविटी कर रहा था। मार्च और अप्रैल में उत्तर प्रदेश में गाड़ियां जलाने जैसी घटनाएं भी इसी के उकसावे पर हुई।

एजेंसियों को शक है कि किसी बड़ी साजिश की प्लानिंग कर रहा था। आरोपी राजूराम गोदारा उर्फ सैयद (29) को 24 मार्च की रात भारत-पाक सीमा के पास भारेवाला इलाके से संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर हिरासत में लिया गया था। अब उसने कई चौंकने वाले खुलासे किए हैं।

**नेटवर्क का मास्टरमाइंड है आरोपी**

जैसलमेर के नाचना थाना क्षेत्र का राजूराम खेती करता है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि वो किसी भी दूसरे स्लीपर सेल की तरह सामान्य तरीके से रहता है। उसे मार्च में उत्तर प्रदेश की एजेंसियों के इनपुट के आधार पर पकड़ा था। जांच में सामने आया कि वो टेलीग्राम के जरिए चल रहे नेटवर्क का मास्टरमाइंड और डिजिटल कंट्रोलर है। आरोप है कि वह जैसलमेर में बैठकर यूपी में सक्रिय युवाओं को निर्देश दे रहा था। इस मामले में ,क्क के तहत कार्रवाई करते हुए



नेशनल इंवेस्टिगेटिव एजेंसी (NIA) और ATS भी जांच में शामिल है।

**पहचान छुपाने का प्रयास करता रहा**

शुरुआत में राजूराम खुद को 'सैयद' बताता रहा। यूपी में पकड़े गए अन्य आरोपियों ने भी उसका नाम सैयद बताया था। लगातार पूछताछ के बाद उसने स्वीकार किया कि वो राजूराम है। वह पहचान छुपाकर देश के दूसरे हिस्सों में उसके संपर्क के लोगों को ऑर्डर देता था।

## ट्रम्प बोले– ईरान से किसी भी हाल में यूरेनियम लेंगे

### बुधवार तक समझौता नहीं हुआ तो सीजफायर खत्म, नाकेबंदी जारी रही तो फिर बमबारी होगी



**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक बार फिर से ईरान के यूरेनियम को लेकर दावा किया है। उन्होंने शनिवार को एयरफोर्स वन में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा है कि अमेरिका किसी भी हालत में ईरान के पास मौजूद ज्यादा एनरिच्ड यूरेनियम हासिल करेगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बुधवार तक ईरान के साथ कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ, तो मौजूदा सीजफायर खत्म किया जा सकता है। उन्होंने साफ कहा कि नाकेबंदी तो जारी रहेगी और जरूरत पड़ी तो फिर से बमबारी शुरू करनी पड़ सकती है।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच बातचीत आगे बढ़ने के बजाय अटकती दिख रही है।

## यूपी का बांदा एशिया में सबसे गर्म, पारा 45.4डिग्री पहुंचा




- **ओडिशा–छत्तीसगढ़ में कई स्कूल बंद**
- **MP-छत्तीसगढ़ समेत 10 राज्यों में 4 दिन लू का अलर्ट**

**नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ, एजेंसी।** देश के लगभग सभी राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश के बांदा में शुक्रवार को तापमान 45.4 डिग्री दर्ज हुआ, जो इस सीजन में अब तक एशिया में सबसे ज्यादा तापमान है। दिलचस्प बात यह है कि एक हफ्ते पहले, यानी 9-10 अप्रैल को देश के मैदानी इलाकों में सबसे कम 12डिग्री तापमान भी बांदा में ही दर्ज हुआ था।

इधर, आज से अगले 4 दिन मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में लू चलने की आशंका है।

यूपी के 16 जिलों में तापमान 40डिग्री से ज्यादा रहा, जिससे हीटवेव यानी लू चली। प्रयागराज, वाराणसी समेत 50 शहरों में भीषण गर्मी पड़ रही है।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा के कई जिलों में तापमान 43डिग्री के पार पहुंच गया है। MP के 13 जिलों में स्कूलों का टाइम बदला गया है।

छत्तीसगढ़ के अलावा ओडिशा के बोलांगीर, सुबर्णपुर और कालाहांडी जिलों में 21 अप्रैल तक सभी स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रहेंगे।

### पश्चिम बंगाल में लॉटरी के खिलाफ बढ़ी आवाजें

# फालाकाटा के लोग बोले गरीबों पर बोझ, बंद हो सिस्टम

**कोलकाता, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल में आने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अलीपुरद्वार जिले के फालाकाटा इलाके में लॉटरी सिस्टम के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। यहां के लोग अब खुलकर इस सिस्टम को बंद करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि लॉटरी गरीब लोगों के लिए नुकसान, कर्ज और लत का कारण बन गई है। फालाकाटा के रहने वाले कई लोगों ने बताया कि लॉटरी से उन्हें कोई फायदा नहीं होता, बल्कि नुकसान ही होता है। उनका कहना है कि वे रोज करीब 800-900 रुपये की टिकट बेचते हैं, लेकिन कमाई तय नहीं होती। अगर कोई टिकट जीत जाए तभी कुछ फायदा होता है, वरना कुछ नहीं मिलता। उन्होंने यह भी बताया कि इस काम में ज्यादातर गरीब और बेरोजगार लोग ही जुड़े हैं।

**खरीदार भी हो रहे हैं परेशान :** ऐसा नहीं है कि लॉटरी सिस्टम से केवल लॉटरी बेचने वाले लोग परेशान है। इससे लॉटरी खरीदने वाले भी अच्छा खासा परेशानी का सामना करना पडड़ रहा है। स्थानीय निवासी दीपक का कहना है कि लॉटरी का



**कर्ज और आत्महत्या तक की नौबत**

इस लॉटरी के चलते कर्ज और आत्महत्या तक के मामले सामने आए हैं। इस बात की जानकारी स्थानीय निवासी शंकर मजूमदार ने इस विषय में बताया कि गांव में कई युवाओं ने लॉटरी खरीदने के लिए ब्याज पर कर्ज लिया और सब कुछ हार गए। कुछ लोग इस दबाव को सहन नहीं कर पाए और उन्होंने आत्महत्या तक कर ली। उन्होंने कहा कि रोज कमाने वाले मजदूर 200–250 रुपये कमाते हैं, लेकिन उसमें से 100–150 रुपये लॉटरी में खर्च कर देते हैं, जिससे उनके परिवार पर बुरा असर पड़ता है।

सबसे बड़ा ग्राहक खुद दुकानदार ही बन जाता है, क्योंकि अगर टिकट नहीं बिकती तो उसे खुद खरीदनी पड़ती है। उनके भाई ने दुकान खोलकर सिर्फ एक महीने में करीब 1 लाख रुपये गंवा दिए। दीपक ने कहा कि लोग खाने के पैसे न होने के बावजूद लॉटरी खरीदते हैं, इस उम्मीद में कि एक दिन बड़ी रकम जीत जाएंगे, लेकिन अंत में वे और गरीब हो जाते हैं।

### केंद्र सरकार ने महंगाई भत्ता 2प्रतिशत बढ़ाकर 60प्रतिशत किया

# 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (DA) और महंगाई राहत (DR) में 2% की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। सरकार ने DA 58% से बढ़कर 60% किया है। यह बढ़ोतरी 1 जनवरी 2026 से लागू होगी। इस फैसले से सरकार का सालाना 6,791 करोड़ रुपए का खर्च बढ़ेगा।

इससे पहले अक्टूबर में महंगाई भत्ते को 55% से बढ़ाकर 58% किया गया था। पिछला रिविजन 1 जुलाई 2025 से प्रभावी माना गया था,




जिसका भुगतान एरियर के साथ किया गया था।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार (18 अप्रैल) को दिल्ली में हुई कैबिनेट बैठक में इसका ऐलान किया गया। इससे लगभग 50.5 लाख कर्मचारियों और 68.3 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा।

**8वें वेतन आयोग में बेसिक पे 69,000 करने की मांग**

यह फैसला ऐसे समय आया है, जब कर्मचारी संगठन 8वें वेतन आयोग के तहत सैलरी स्ट्रक्चर में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं। नेशनल काउंसिल–जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी (NC-JCM) ने अपने ज्ञापन में 3.83 के हायर फिटमेंट फैक्टर की मांग की है। अगर यह मांग मानी जाती है, तो न्यूनतम बेसिक पे 18,000 से बढ़कर करीब 69,000 हो सकती है। संगठन ने सैलरी कैलकुलेशन के लिए परिवार की परिभाषा में आश्रित माता–पिता को शामिल करने और वेतन विसंगतियों को दूर करने का सुझाव भी दिया है।

हालांकि आठवें वेतन आयोग के लागू होने की टाइमलाइन का ऐलान अभी तक नहीं हुआ है। कयास लगाए जा रहे हैं कि ये जल्द लागू हो सकता है। लेकिन इसे पूरी तरह इम्प्लीमेंट होने में 2028 तक का इंतजार करना पड़ सकता है।

# अवैध बिजली बिक्री का खेल, 30 लाख के हेरफेर में अधिकारियों पर भी शक

**साहिबाबाद (गाजियाबाद), एजेंसी।** इंदिरापुरम के कनावनी स्थित 1500 से अधिक झुग्गियों में अवैध तरीके से बिजली बेचकर हर माह 30 लाख रुपये का खेल किया जा रहा है। सीधे एलटी लाइन और ट्रांसफार्मर पर तार डालने के साथ ही तीन मीटरों से बिजली बेचने का यह पूरा खेल विद्युत निगम के अधिकारियों की नाक के नीचे चल रहा है। इसमें कई अधिकारियों और कर्मियों के शामिल होने की बात भी सामने आ रही है। अगर निष्पक्ष जांच हुई तो कई अधिकारियों पर गाज गिरेगी।

झवहीं, विद्युत निगम के अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। दरअसल बृहस्पतिवार को यहां 150 से अधिक झुग्गी जल गई थीं। कनावनी में खाली जमीन पर झुग्गी बनी हुई हैं। यह जमीन किसी विभाग की है या निजी व्यक्ति की इसको लेकर अधिकारियों में भी असमंजस है। यहां बिहार, पश्चिम बंगाल व उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों के लोग रहते हैं। इन झुग्गियों में बिना मीटर के ही बिजली आपूर्ति की जा रही है। केवल दो से तीन मीटर लगे हैं। झुग्गी में रहने वाले प्रत्येक परिवार से बिजली के नाम पर 2000 रुपये प्रतिमाह वसूले जा रहे हैं। अगर कोई ई-रिक्शा चार्ज कर रहा है तो उससे 2500 रुपये मासिक लिए जाते हैं। इन रुपयों की उन्हें न तो कोई रशीद मिलती है और न ही विद्युत निगम के कागजों में इसका कोई हिसाब-किताब है। झुग्गी में रहने वाले लोगों ने बताया कि जिसने अपनी जमीन में झुग्गी बनवा रखी हैं। उसी को बिजली का बिल का भुगतान करते हैं, लेकिन इसके एवज में उन्हें कोई रसीद नहीं मिलती है।

### पांच वर्ष में बेच दी 18 करोड़ की बिजली

पूछताछ में लोगों ने बताया कि यहां बीते करीब पांच वर्ष से झुग्गियों में अवैध तरीके से बिजली बेची जा रही है। हर माह 30 लाख के हिसाब से देखें तो हर साल करीब 3.60 करोड़ का खेल किया गया है। यानी बिजली बेचकर पांच साल में करीब 18 करोड़ की अवैध उगाही की गई है। एलटी लाइन से बल्लियों पर तार लटकाकर झुग्गियों में ले जाए जा रहे मौके पर बल्लियों पर तार लटके मिले। इन तारों को एलटी लाइन से झुग्गियों-झोपड़ियों के अंदर ले जाया जा रहा था। तार भी कुछ ऊंचाई पर ही लटके हुए थे। जगह-जगह तार भी नंगे थे। इससे बड़ा हादसा हो सकता था। इंदिरापुरम के न्याय खंड-एक और हाथी पार्क के सामने बनी झुग्गियों में भी एक मीटर लगाकर अवैध तरीके से बिजली बेची जा रही है। इंदिरापुरम आरडब्ल्यूए फेडरेशन के महासचिव सुदर्शन अवस्थी ने इसकी शिकायत विद्युत निगम में करते हुए जांच की मांग की है। उनका कहना है कि जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा मकनपुर में भी करीब 150 से 200 झुग्गियों में बिजली बेची जा रही है।

### इन बिंदुओं पर जांच शुरू करने का दावा

- कनेक्शन किस नाम से हैं और गलत तरीके से तो नहीं दिए गए हैं
- लाइन और ट्रांसफार्मरों से तार डालकर बिजली कौन बेच रहा है
- झुग्गियों में बिजली आपूर्ति कर कौन कर रहा है अवैध वसूली
- अधिकारियों व कर्मियों के भी शामिल होने की भी होगी जांच
- कब से अवैध तरीके से बिजली बेची जा रही है
- संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों ने कार्रवाई क्यों नहीं की

मैं बिजली के लिए हर माह 2000 रुपये देता हूं। इसकी मुझे कोई रशीद नहीं मिलती है। अपनी जरूरत पूरी करने के लिए मजबूरी में बिजली खरीदनी पड़ती है। एक परिवार से दो हजार रुपये लेने के साथ ही ई-रिक्शा चार्ज करने के लिए 2500 रुपये अलग से लिए जाते हैं। अगर नहीं दूंगा तो बिना रिक्शा चार्ज किए कुछ कमा नहीं पाऊंगा।

## मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास जेड चौक पर जाम से राहत, एक माह में बनेगा ट्रैफिक प्लान

**नया गुरुग्राम, एजेंसी।** शहर के सबसे व्यस्त जंक्शनों में शामिल मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास स्थित जेड चौक पर लगने वाले रोजाना जाम से राहत दिलाने की कवायद तेज हो गई है। प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि एक महीने के भीतर इस चौक के लिए प्रभावी यातायात प्रबंधन योजना तैयार की जाए।दरअसल, जेड चौक से प्रतिदिन करीब एक लाख वाहन गुजरते हैं। दिल्ली-जयपुर हाईवे और गोल्फ कोर्स रोड की ओर जाने वाले वाहनों का भारी दबाव यहां सुबह-शाम पीक आवर्स में जाम की स्थिति पैदा कर देता है। कई बार वाहन चालकों को इस चौराहे को पार करने में 10 से 15 मिनट तक लग जाते हैं। इसी को देखते हुए मंत्री ने जीएमडीए, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग तथा गुरुग्राम व मानेसर नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक कर विस्तृत योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। योजना तैयार करने की जिम्मेदारी विभाग के डीटीपीई अमित मधोलिया को सौंपी गई है। जेड चौक पर ट्रैफिक समस्या के स्थायी समाधान के लिए अंडरपास निर्माण की योजना भी आगे बढ़ रही है। जीएमडीए ने इसके लिए करीब 80 करोड़ रुपये का प्रारंभिक अनुमान तैयार किया है जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मंजूरी मिल चुकी है। फिलहाल परियोजना की डीपीआर तैयार की जा रही है। साथ ही, गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड द्वारा ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के तहत मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के सामने एक नया मेट्रो स्टेशन विकसित किया जाना प्रस्तावित है, जिससे भविष्य में यातायात दबाव को संतुलित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

## जेवर एयरपोर्ट के पास दो गुना मुआवजे के लालच में रात में लेंटर डालते पकड़ा, गाड़ी सीज कर FIR की तैयारी

**जेवर, एजेंसी।** नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए अधिग्रहण की जा रही जमीन पर दो गुने मुआवजे के लालच में हो रहे निर्माण पर तहसील प्रशासन बेहद सख्ती बरत रहा है। बृहस्पतिवार तड़के तहसील प्रशासन की टीम ने जेवर के मुकीमपुर सिवारा गांव में चार लोगों द्वारा रात के अंधेरे में लेंटर डालने की सूचना मिली थी। तड़के तीन बजे टीम ने मौके पर पहुंची तो आरोपित काम बंद कर मौके से भाग खड़े हुए। टीम ने मौके से पकड़ी गई गाड़ी को पुलिस को सौंपते हुए सीज करा दिया। निर्माण करने वाले चार लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने के लिए पुलिस को शिकायत दी है। निर्माण सामग्री की आपूर्ति करने वाली फर्म को प्रतिबंधित क्षेत्र में आपूर्ति न करने की चेतावनी देते हुए भविष्य में पकड़े जाने पर फर्म को ब्लैक लिस्ट करने का

नोटिस भी दिया गया। उपजिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट के दूसरे व तीसरे चरण के लिए जेवर के 21 गांव की जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। इस जमीन पर कुछ लोग धारा 11 के बाद नियमों का उल्लंघन करते हुए दुर्भावना से प्रेरित होकर अनुचित लाभ लेने एवं राज्य सरकार को वित्तीय क्षति पहुंचाने के लिए अवैध निर्माण कर रहे हैं। बृहस्पतिवार सुबह तीन बजे उन्हें जेवर के मुकीमपुर सिवारा गांव की एक बीघा जमीन पर लेंटर डालने की सूचना मिली थी।

**तहसील की ओर से मुकदमा दर्ज :** मौके पर पहुंची टीम को देखकर आरोपित मौके से फरार हो गए। मौके से आरएमसी प्लांट से लेंटर डालने का समान मेटाडोर बरामद हुई जिसे पुलिस को सौंपते हुए सीज करा दिया गया। जांच में पता चला की जमीन सिवारा निवासी शांति देवी की है लेकिन उसपर जेवर के नगला जहानू गांव के इमरान, समसु, नासिर, मुबारिक आदि अवैध तरीके से मकान बनाकर लेंटर डाल रहे थे। तहसील की तरफ से गाड़ी मालिक और निर्माण करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए शिकायत पुलिस को भेजी गई है। उपजिलाधिकारी दुर्गेश सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले सभी 21 गांव में निर्माण सामग्री की आपूर्ति पर पहले ही पूर्ण प्रतिबंध लगाया जा चुका है। मुकीमपुर सिवारा गांव में पकड़ी गई गाड़ी दयानतपुर के आरएमसी प्लांट की थी तहसील की तरफ से प्लांट को नोटिस भेजते हुए प्रभावित 21 गांव में निर्माण सामग्री की आपूर्ति नहीं करने की चेतावनी दी गई है। भविष्य में अगर प्लांट की गतिविधि इस क्षेत्र में संचालित मिलने पर एफआईआर दर्ज कराते हुए वैधानिक कार्रवाई का नोटिस भेजा है।

## 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर महिलाओं को मिला धोखा', मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का विपक्ष पर हमला

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि शुक्रवार को लोकसभा में जो हुआ, वह महिलाओं के लिए पीड़ादायक और निराशाजनक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए जो संकल्प लिया, नारी शक्ति वंदन अधिनियम उसी दिशा में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी कदम था। लेकिन विपक्ष द्वारा इस महत्वपूर्ण संविधान संशोधन को पारित न होने देना महिलाओं के अधिकारों के साथ सीधा अन्याय है। महिला मुख्यमंत्री होने के नाते यह विषय मेरे लिए केवल राजनीति का नहीं, बल्कि संवेदना और सम्मान का विषय है। देश की करोड़ों महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदारी देने का यह अवसर उनसे छीन लिया गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिलाओं के अधिकारों के रास्ते में बाधा डाली है। उनकी यह सोच महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति उनकी वास्तविक नीयत को दर्शाती है। देश की महिलाएं सब देख रही हैं और समझ रही हैं। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति के साथ यह अन्याय विपक्ष को भारी पड़ेगा। देश की महिलाएं विपक्ष को जवाब देंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण और महिला-नेतृत्व वाले विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी।

## गाजियाबाद समेत कई जिलों में शिकायतें गलत जेई को हो रहीं ट्रांसफर

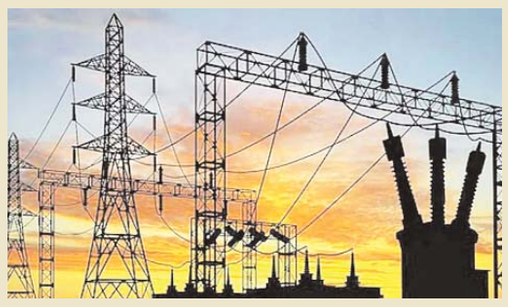

**गाजियाबाद, एजेंसी।** उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए शुरू की गई विद्युत हेल्पलाइन 1912 इन दिनों खुद सवालों के घेरे में है। बिजली आपूर्ति बाधित होने पर दर्ज कराई गई शिकायतें संबंधित क्षेत्र के अवर अभियंता (जेई) तक पहुंचने के बजाय दूसरे क्षेत्रों के जेई तक ट्रांसफर हो रही हैं। नतीजतन, उपभोक्ताओं को घंटों तक समस्या से जूझना पड़ रहा है और शिकायतों का निस्तारण तय समय सीमा के भीतर नहीं हो पा रहा है। मामला अब तकनीकी खामी की ओर इशारा कर रहा है, जहां 1912 हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों की मैपिंग सही अधिकारी तक नहीं हो पा रही। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, यह समस्या नई लागू की गई वर्टिकल सिस्टम व्यवस्था के बाद अधिक सामने आ रही है। विद्युत निगम के आंकड़ों के अनुसार, दो दिनों में बिजली कटौती से जुड़ी करीब 45 शिकायतें 1912 हेल्पलाइन पर दर्ज हुई। इनमें से केवल लगभग 25 शिकायतें ही संबंधित क्षेत्र तक सही तरीके से पहुंच सकीं, जबकि 20 से अधिक शिकायतें दूसरे क्षेत्रों के अवर अभियंताओं के पास ट्रांसफर हो गईं। शिकायतों के गलत ट्रांसफर होने से कई उपभोक्ताओं को बार-बार फोन करना पड़ा और कई मामलों में जेई को संबंधित क्षेत्र की जानकारी जुटाने में अतिरिक्त समय लगा।

**गलत मैपिंग की जानकारी संज्ञान में आई :** इससे समस्या समाधान की प्रक्रिया और अधिक विलंबित हो गई। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए मामले की शिकायत प्रबंध निदेशक स्तर पर आईटी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से की गई है। निगम अब तकनीकी स्तर पर समस्या की जांच में जुट गया है। इस संबंध में मुख्य अभियंता पवन अग्रवाल ने बताया कि 1912 पर शिकायतों की गलत मैपिंग की जानकारी संज्ञान में आई है। इस समस्या पर कार्य किया जा रहा है और जल्द ही इसका समाधान कर लिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक कुछ मामलों में सही अवर अभियंता तक शिकायत पहुंचने के बाद भी समय पर निस्तारण नहीं हो रहा है। शिकायतें निर्धारित समय सीमा पार कर जाती है और पोर्टल पर शिकायत का निस्तारण समय के बाहर नजर आता है। जिससे उपभोक्ताओं में नाराजगी है।

## शिक्षा की कमी से पैदा होता है अंधविश्वास: होसबाले बोले- भारतीय परंपरा में विज्ञान और आध्यात्मिकता अलग नहीं

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शुक्रवार को शिक्षा, विज्ञान और समाज में अंधविश्वास को लेकर अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि जब शिक्षा व्यवस्था अपने पाठ्यक्रम में किसी सभ्यता की वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों को ठीक से नहीं समझा पाती, तभी समाज में अंधविश्वास जन्म लेता है। होसबाले ने आगे इस बात पर जोर दिया कि भारतीय परंपरा में विज्ञान और आध्यात्मिकता अलग नहीं हैं, बल्कि दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। बता दें कि संघ सरकार्यवाह होसबाले ने ये बात अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में आयोजित एक कार्यक्रम में कही। उनके अनुसार, भारतीय सभ्यता में ऐसा समय भी रहा है जब लोग एक साथ

वैज्ञानिक शोध और आध्यात्मिक अभ्यास करते थे। उन्होंने इसे भारत की पुरानी ज्ञान परंपरा बताया। उन्होंने यह भी कहा कि शासन व्यवस्था को भी इसी सोच के आधार पर चलना चाहिए, जहां विज्ञान और नैतिकता दोनों साथ हों। कार्यक्रम के दौरान होसबाले ने आगे कहा कि अगर शिक्षा मजबूत नहीं होगी तो समाज में असमानता बढ़ेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा और तकनीक एक-दूसरे से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि जब समाज का कोई हिस्सा पीछे रह जाता है तो असमानता बढ़ती है। सरकारों को इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

**अंधविश्वास और विज्ञान की चुनौती:** होसबाले ने कहा कि शिक्षा का काम यह होना चाहिए कि लोग असली वैज्ञानिक सोच और अंधविश्वास के बीच फर्क समझ सकें। उनके अनुसार, अगर शिक्षा सही तरीके से विज्ञान को नहीं समझाती तो पुराने वैज्ञानिक विचार भी अंधविश्वास समझ लिए जाते हैं। गौरतलब है कि होसबाले का यह बयान शिखर सम्मेलन के दौरान दिया गया, जो स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के फैकल्टी क्लब में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिक नवाचार और प्राचीन ज्ञान पर चर्चा हुई। इस सम्मेलन में कई बड़े विशेषज्ञ शामिल हुए।

## होर्मुज खुला या नहीं: ईरान की सरकारी मीडिया ने अराघची के फैसले पर उठाए सवाल, रास्ता खुलने के दावों पर संशय

**तेहरान, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में 48 दिनों से सुलग रहे तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर आई राहत की खबर अब खुद सवालों के घेरे में है। पहले ईरान की ओर से इसे पूरी तरह खोलने का एलान किया गया, जिससे वैश्विक बाजारों में उम्मीद जगी, लेकिन अब उसी दावे पर ईरान के भीतर से ही तीखा विरोध और संदेह सामने आ गया है। ईरान की दो प्रमुख समाचार एजेंसियों ने दावा किया है कि अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है। पूरी बात को ऐसे समझिए कि ईरान की फार्स और मेहर जैसी प्रभावशाली समाचार एजेंसियों ने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बयान पर सवाल खड़े किए हैं, जिससे हालात और उलझ गए हैं। शुक्रवार शाम में ईरान ने एलान किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से

अंतरराष्ट्रीय जहाजों के लिए खोल दिया गया है और उन्हें आने-जाने की पूर्ण छूट दी गई है।

**अब समझिए पूरा विवाद:** इरान के एलान के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के करीबी माने जाने वाले फार्स न्यूज एजेंसी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस फैसले पर हैरानी जताई। एजेंसी ने कहा कि इस मुद्दे पर देश की शीर्ष संस्था सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषदऔर बातचीत करने वाली टीम की अजीब चुप्पी बनी हुई है। वहीं मेहर न्यूज एजेंसी ने भी कहा कि जलडमरूमध्य को खोलने का फैसला अभी पूरी तरह साफ नहीं है और इसके लिए देश के सर्वोच्च नेता की मंजूरी जरूरी है।

**नेतृत्व को लेकर भी अनिश्चितता:** बता दें कि ईरान में इस समय नेतृत्व को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। खबरों के अनुसार नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर भी अनिश्चितता है, क्योंकि युद्ध के दौरान उनके घायल होने की बात कही जा रही है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान ने वादा किया है कि वह अब कभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं करेगा। हालांकि, ईरान की ओर से इस तरह का कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

## रामगढ़ताल पर डबल लेन पुल तैयार, लोकार्पण से पहले जलकुंभी की सफाई तेज

**गोरखपुर, एजेंसी।** रामगढ़ताल की वाटर बॉडी पर बन रहे डबल लेन पुल का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच गया है। गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) एक ओर जहां पुल की फिनिशिंग में जुटा है, वहीं लोकार्पण की तैयारियों के तहत ताल से जलकुंभी हटाने का अभियान भी तेज कर दिया गया है। करीब 14.32 करोड़ रुपये की लागत से 112 मीटर लंबाई में तैयार हो रहा यह पुल इस माह के अंत तक पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा। पुल और एप्रोच रोड का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है, साथ ही लाइटिंग का कार्य भी समाप्त हो गया है। वर्तमान में पाथवे बनाने का काम तेजी से चल रहा है। यह पुल प्राधिकरण उपाध्यक्ष आवास से योगीराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह के पीछे स्थित कार्पोरेट पार्क को गुरु गंभीरनाथ प्रेक्षागृह के पास वाली सड़क से जोड़ेगा। इसके शुरू होने से तारामंडल क्षेत्र के दो हिस्सों के बीच सीधा संपर्क स्थापित हो जाएगा। अभी लोगों को इन इलाकों के बीच आने-जाने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। इस परियोजना से तारामंडल, वसुंधरा एन्क्लेव और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

## अब परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा ईरान: तेहरान पर ट्रंप का बड़ा दावा

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रही बातचीत और पश्चिम एशिया के हालात पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत लगातार चल रही है और यह प्रक्रिया आने वाले सप्ताहांत में भी जारी रहेगी। ट्रंप ने कहा कि इस वार्ता में कई अच्छी चीजें हो रही हैं, और इसमें लेबनान से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं। उनके अनुसार, अगर अमेरिका और ईरान के बीच कोई मतभेद हैं भी, तो उन्हें जल्द सुलझा लिया जाएगा क्योंकि कोई बड़ा अंतर नहीं दिख रहा है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने यह भी कहा कि जैसे ही अमेरिका और ईरान के बीच समझौता पूरी तरह साइन होगा, तब सभी तरह की रोक और तनाव खत्म हो जाएंगे। उन्होंने दावा किया

कि ईरान ने घोषणा की है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह खुला है और व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित है। अपने बयान में ट्रंप ने आगे यह भी बताया कि होर्मुज पर लगाया गया अमेरिकी नाकाबंदी कब खत्म होगी आइए जानते हैं।

**होर्मुज को लेकर क्या कहा ट्रंप ने:** ट्रंप ने कहा कि यह दुनिया के लिए बेहतरीन और ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि ईरान ने घोषणा की है कि होर्मुज जलडमरूमध्य अब पूरी तरह खुला है और व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित रूप से आवाजाही शुरू हो गई है। ट्रंप ने अपने बयान में यह भी कहा कि अमेरिका ने दुनिया की सबसे शक्तिशाली नौसेना और सैन्य ताकत का उपयोग करते हुए इस क्षेत्र में नौसैनिक दबाव बनाया था। उन्होंने दावा किया कि यह पूरी सैन्य व्यवस्था उनके पहले कार्यकाल के दौरान तैयार की गई थी। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ईरान के मामले में अपनी पूरी ताकत और प्रभाव बनाए रखेगा और जब दोनों देशों के बीच समझौता पूरी तरह से तय और हस्ताक्षरित हो जाएगा तब होर्मुज पर अमेरिकी नाकाबंदी को खत्म कर दिया जाएगा। ट्रंप के अनुसार, जब तक यह प्रक्रिया 100 प्रतिशत पूरी नहीं हो जाती, तब तक अमेरिका अपनी स्थिति मजबूत रखेगा।

**ईरान के परमाणु हथियार पर क्या बोले:** इसके साथ ही ट्रंप ने ईरान के परमाणु हथियार को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी स्थिति को नियंत्रित किया है।

उन्होंने दावा किया कि अमेरिका के बी-2 बॉम्बर विमानों की कार्रवाई से न्यूक्लियर डस्ट जैसी स्थिति बनी और ईरान अब किसी भी तरह का परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ने अमेरिका की मदद से समुद्री बारूदी सुरंगें हटाने या हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

**क्या नाटो से नाराज हैं ट्रंप:** पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने नाटो को लेकर भी अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति लगभग खत्म हो रही है, तब उन्हें नाटो से मदद का प्रस्ताव मिला।

## अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत इसी सप्ताहांत हो सकती है, राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को संकेत दिया कि अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत इसी सप्ताहांत हो सकती है। ट्रंप ने समाचार पोर्टल को दिए एक टेलीफोन इंटरव्यू में कहा, 'ईरान बातचीत करना चाहता है।' उन्होंने कहा, 'वे समझौता करना चाहते हैं। मेरा मानना है कि इस सप्ताहांत एक बैठक होने की संभावना है।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच संबंधों को लेकर वैश्विक स्तर पर कूटनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और संभावित समझौते की उम्मीदें जताई जा रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर अपना वह दावा दोहराया कि ईरान यूरेनियम संवर्धन को पूरी तरह से बंद करने पर सहमत हो गया है। न्यूजनेशन के साथ शुक्रवार को एक टेलीफोन इंटरव्यू के दौरान जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या ईरान यूरेनियम संवर्धन प्रक्रिया रोकने पर सहमत हो गया है तो इस पर ट्रंप ने विश्वास के साथ हां कहा। ट्रंप ने कहा कि 'क्या आपको इस पर हैरानी है लेकिन मुझे इस बात पर बिल्कुल भी हैरानी नहीं है।' गौरतलब है कि ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा है कि ईरान परमाणु हथियार नहीं रखने पर सहमत हो गया है और ईरान अपना संवर्धित यूरेनियम भी अमेरिका को सौंपेगा।

**ईरान ने संवर्धित यूरेनियम अमेरिका को देने का दावा खारिज किया:** ईरान ने ट्रंप का वह दावा सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें ट्रंप ने कहा कि ईरान अपना संवर्धित यूरेनियम अमेरिका को सौंपने के लिए तैयार हो गया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के करेगा।

## दो नए राजकीय विद्यालयों में प्रवेश शुरू, छात्रवृत्ति भी मिलेगी

**मेरठ, एजेंसी।** नए शैक्षिक सत्र में जिले में दो नए राजकीय विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। शिक्षक-शिक्षिकाएं घर-घर जाकर अभिभावकों को अपने बच्चों को सरकारी विद्यालय में भेजने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इन विद्यालयों में तत्काल प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है और छात्रवृत्ति भी दी जाएगी। पहला विद्यालय राजकीय कन्या इंटर कॉलेज गगोल परतापुर है। यहां जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार ने प्रधानाचार्य रविंद्र पाल यादव के साथ तीन शिक्षिकाओं की तैनाती की है। कक्षा छह और नौ में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रधानाचार्य व शिक्षिकाएं घर-घर जाकर बेटियों को पढ़ाई के लिए प्रेरित कर रही हैं। अभिभावक बेटियों के प्रवेश के लिए संपर्क करने लगे हैं।

# समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन में गुणवत्ता पर सख्ती सर्वेयर्स को दिए गए कड़े निर्देश, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया को पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं इसी कड़ी में 16 अप्रैल 2026 को कलेक्ट्रेट सभागार में अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें उपार्जन से जुड़े अधिकारियों और सर्वेयर्स को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष गेहूं खरीदी में गुणवत्ता नियंत्रण सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगा। बैठक में स्पष्ट किया गया कि सभी सर्वेयर्स को आर.बी. एसोसिएट्स के माध्यम से खरीदी एजेंसी नागरिक आपूर्ति निगम जिला सीधी को उपलब्ध कराया गया है। इन सर्वेयर्स की जिम्मेदारी होगी कि वे किसानों से प्राप्त उपज (स्कंध) की गुणवत्ता का सही आकलन करें और उसकी जानकारी निर्धारित सर्वेयर ऐप में अनिवार्य रूप से दर्ज करें अधिकारियों ने निर्देश दिए कि शासन द्वारा तय मापदंडों का कड़ाई से पालन किया जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी सर्वेयर्स को अपने पास गुणवत्ता जांच किट रखना अनिवार्य किया गया है जिससे मौके पर ही उपज की जांच की जा सके बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि प्रत्येक किसान से प्राप्त गेहूं के नमूनों को सुरक्षित रखा जाए और उनका विधिवत अभिलेख (पंजी) तैयार किया जाए इसके साथ ही परिवहन किए जाने वाले गेहूं के नमूनों का भी रिकॉर्ड संधारित करना आवश्यक होगा ताकि भविष्य में किसी प्रकार की शिकायत की स्थिति में जांच संभव हो सके अधिकारियों ने दो टूक कहा कि खरीदी के बाद यदि गेहूं की गुणवत्ता को लेकर कोई शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित सर्वेयर की जवाबदेही तय की जाएगी गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी इस बैठक के माध्यम से प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि इस वर्ष गेहूं उपार्जन में पारदर्शिता और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा इससे न केवल किसानों को उचित मूल्य और विश्वास मिलेगा बल्कि सरकारी भंडारण में भी उच्च गुणवत्ता का अनाज सुनिश्चित हो सकेगा।

## एसबीआई मुख्य शाखा का निरीक्षण, कलेक्टर ने सभी बैंकों को दिए सुरक्षा सुदृढ़ करने के निर्देश

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा शुक्रवार की शाम एसबीआई मुख्य शाखा का निरीक्षण कर बैंक की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया निरीक्षण के दौरान उन्होंने बैंक परिसर की सुरक्षा सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली अलार्म सिस्टम प्रवेश एवं निकास व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा इंतजामों की विस्तार से समीक्षा की निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जिले के सभी बैंकों के लिए स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा कि प्रत्येक बैंक अपनी सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर सुदृढ़ करे। उन्होंने कहा कि सभी शाखाओं में सीसीटीवी कैमरे सुचारू रूप से संचालित रहें सुरक्षा उपकरण कार्यशील स्थिति में हों तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही बैंक परिसरों में प्रवेश-निकास की निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने एवं आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने यह भी कहा कि सुरक्षा के साथ-साथ ग्राहकों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाना आवश्यक है उन्होंने बैंक प्रबंधन से अपील की कि बैंक आने वाले नागरिकों को सुरक्षित सुव्यवस्थित एवं सहज वातावरण उपलब्ध कराया जाए तथा बैंक कर्मचारी ग्राहकों के साथ सहयोगात्मक व्यवहार रखते हुए उन्हें गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करें जिससे आमजन का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके इस दौरान लीड बैंक प्रबंधक तथा शाखा प्रबंधक स्टेट बैंक उपस्थित रहे।

## डभौरा रेलवे स्टेशन पर तत्काल टिकट में दलाली के आरोप

### यात्रियों ने लगाया मिलीभगत का आरोप, कार्रवाई की मांग तेज

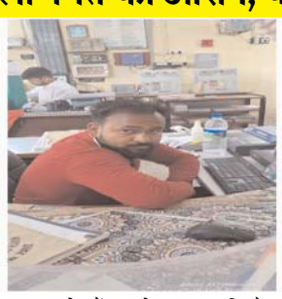

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** जिले के डभौरा रेलवे स्टेशन पर तत्काल टिकट बुकिंग में अनियमितताओं और दलाली के गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय नागरिकों और यात्रियों का कहना है कि लंबे समय से स्टेशन पर तत्काल टिकट व्यवस्था में पारदर्शिता नहीं है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है आरोप है कि जो यात्री रातभर लाइन में लगकर तत्काल टिकट के लिए फॉर्म भरते हैं, उनके फॉर्म को कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा किसी न किसी कारण से निरस्त कर दिया जाता है वहीं दूसरी ओर दलालों के माध्यम से टिकट आसानी से उपलब्ध करा दिए जाते हैं इस स्थिति ने आम यात्रियों में आक्रोश पैदा कर दिया है सूत्रों के अनुसार स्टेशन पर सक्रिय कुछ दलाल गिरोह टिकट बुकिंग के नाम पर यात्रियों से दुगुना-तिगुना पैसा वसूल रहे हैं आरोप यह भी है कि ये दलाल रेलवे कर्मचारियों से मिलीभगत कर तत्काल टिकट निकलवाते हैं और बाद में उन्हें ऊंचे दामों पर बेचते हैं। एसी और स्लीपर दोनों श्रेणियों के टिकटों में इस तरह की कथित गड़बड़ी की बात सामने आ रही है कुछ यात्रियों ने यह भी आरोप लगाया कि दलाल खुलेआम कहते हैं कि यदि अतिरिक्त पैसे दिए जाएं तो टिकट पक्की मिल जाएगी अन्यथा नहीं। इससे आम यात्रियों के अधिकारों का हनन हो रहा है और उन्हें मजबूरी में अधिक पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि इस संबंध में कई बार वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे आरोपियों के हौसले और बढ़ गए हैं क्षेत्रीय नागरिकों ने रेलवे प्रशासन और प्रयागराज मंडल के अधिकारियों से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि तत्काल टिकट व्यवस्था में पारदर्शिता आए और आम यात्रियों को राहत मिल सके।

## किसान कल्याण वर्ष में मछुआ चौपाल का आयोजन

### योजनाओं से जोड़े गए मछुआरे आधुनिक मत्स्यपालन तकनीकों की जानकारी, आय बढ़ाने पर जोर

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** मध्य प्रदेश शासन द्वारा मनाए जा रहे किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत जिले में मछुआरों को सशक्त बनाने और उन्हें शासकीय योजनाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है इसी क्रम में 17 अप्रैल 2026 को जनपद पंचायत मझौली के ग्राम डांगा में मत्स्य विभाग द्वारा मछुआ चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मछुआरों एवं मत्स्यपालकों को नवीन तकनीकों से अवगत कराते हुए उनकी आय बढ़ाना और आजीविका को सुदृढ़ बनाना रहा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय मछुआरे और मत्स्यपालक शामिल हुए सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने जानकारी देते हुए बताया कि चौपाल के दौरान उपस्थित मछुआरों का एनएफयूआईपी पोर्टल पर पंजीयन किया गया जिससे वे विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें चौपाल में मछुआरों को कई महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई इनमें मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड 10 वर्षीय मत्स्यपालन पट्टा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना तथा नदियों में मत्स्याखेट करने वाले मछुआरों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाएं प्रमुख रहीं। साथ ही उन्हें पंगेसियस मछली पालन और अन्य उन्नत मत्स्यपालन तकनीकों के बारे में भी प्रशिक्षित किया गया अधिकारियों ने बताया कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग से मत्स्य उत्पादन में वृद्धि संभव है, जिससे मछुआरों की आय में भी उल्लेखनीय सुधार हो सकता है। इस अवसर पर मछुआरों को जागरूक करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया गया कि वे अधिक से अधिक शासकीय योजनाओं का लाभ उठाएं और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ें कार्यक्रम के दौरान मछुआरों ने भी अपनी समस्याएं और सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे, जिनके समाधान का आश्वासन दिया गया। चौपाल के माध्यम से विभाग और मछुआ समुदाय के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ जिससे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में मदद मिलेगी यह पहल न केवल मछुआरों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगी बल्कि जिले में मत्स्य क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति प्रदान करेगी जिला प्रशासन की इस कोशिश से मछुआरों में उत्साह का माहौल देखने को मिला और उन्होंने भविष्य में बेहतर उत्पादन के लिए नई तकनीकों को अपनाने का संकल्प लिया।

## समेकित स्वास्थ्य पहल जांच, उपचार, पोषण और जागरूकता एक ही मंच पर

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगातार तीसरे शनिवार स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन के निर्देशन में आयोजित इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को नि:शुल्क एवं समेकित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं शिविरों का आयोजन नेबूहा बरमानी कपुरी कोठार एवं डोल ग्रामों में किया गया, जहां क्रमश: 454, 196, 183 एवं 110 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग की टीमों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच, दवाओं का वितरण, परामर्श के साथ-साथ सिकल सेल एवं टीबी (क्षय रोग) की स्क्रीनिंग भी की गई। संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उन्हें आगे की जांच एवं उपचार हेतु चिन्हित किया गया तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों का वजन एवं ऊंचाई मापकर उनके पोषण स्तर का आकलन किया गया तथा कुपोषित बच्चों की पहचान कर आवश्यक पोषण परामर्श एवं सहयोग प्रदान किया गया इसके साथ ही चिरैया अभियान के अंतर्गत किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें पोषण स्वच्छता एनीमिया नियंत्रण एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई ग्राम नेबूहा में आयोजित शिविर में विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम की उपस्थिति रही जिन्होंने ग्रामीणों को शिविर का अधिकाधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया वहीं कलेक्टर द्वारा बरमानी एवं नेबूहा में शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि दूरस्थ क्षेत्रों के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

## मोटर दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी एवं बीमा कंपनी के अधिक्रक्तागण के साथ बैठक आयोजित

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागलाल दिनकर के मार्गदर्शन में वर्ष की दूसरी नेशनल लोक अदालत 09 मई 2026 का आयोजन जिला न्यायालय सीधी तथा सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में किया जायेगा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष प्रयाग लाल दिनकर तथा विशेष न्यायाधीश/प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत यतीन्द्र कुमार गुरू की अध्यक्षता में नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु समस्त मोटर दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारीगण एवं बीमा कंपनी के अधिक्रक्तागण व आवेदक अधिवक्तागण के साथ शनिवार दिनांक 18.04.2026 को ए.डी.आर. भवन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में बैठक का आयोजन किया गया अध्यक्ष द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी संबंधित पीठासीन अधिकारीगण एवं बीमा कंपनी के अधिक्रक्तागण व आवेदक अधिवक्तागण आपसी समन्वय एवं सक्रिय सहभागिता के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक प्रकरणों को चिन्हित करें तथा पक्षकारों को नेशनल लोक अदालत के लाभों के संबंध में जागरूक करें, जिससे सहमति के आधार पर त्वरित, सरल एवं सुलभ न्याय सुनिश्चित किया जा सके उक्त बैठक में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह, द्वितीय जिला न्यायाधीश मनीष कुमार वास्तव प्रथम जिला न्यायाधीश राकेश कुमार सोनी, तृतीय जिला न्यायाधीश रवीन्द्र कुमार शर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे, जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक, बीमा कंपनी के अधिवक्तागण राजेन्द्र सिंह परिहार, यज्ञ प्रताप सिंह, परमसुख शुक्ला, सूर्यकान्त पाण्डेय, उत्तम सिंह चौहान उपस्थित रहे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनकर ने अपील की है कि आगामी दिनांक 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में बिजली कंपनी द्वारा राशि में विशेष छूट प्रदान की गई है जिसके लिए आमजन को सूचित कर अपने विद्युत से संबंधित प्रकरण का निराकरण कराये एवं शासन की योजनाओं का लाभ लें नेशनल लोक अदालत के जरिए विद्युत अधिनियम के प्रकरणों में विशेष छूट का सुनहरा अवसर नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा।

## अविराज की पहल बनी जनसेवा का आंदोलन 555 यूनिट रक्तदान से नई मिसाल

### मिशन जन आवाज से जुड़कर सेवा का दायरा बढ़ा, हर जरूरतमंद तक मदद का संकल्प

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** पिछले करीब 18 महीनों से निरंतर संचालित रक्तदान सेवा अभियान अब जनसेवा के एक सशक्त आंदोलन के रूप में उभर रहा है युवा समाजसेवी अविराज के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान के तहत अब तक 555 यूनिट रक्तदान कर सैकड़ों जरूरतमंदों को समय पर जीवनदान दिया जा चुका है। यह पहल मानवता समर्पण और सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण बन गई है पत्रकार वार्ता में अविराज ने बताया कि इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता इसकी त्वरित कार्यशैली है जैसे ही कहीं रक्त की आवश्यकता की सूचना मिलती है टीम तुरंत सक्रिय हो जाती है अभियान के प्रमुख आशीष द्विवेदी एवं उनके सहयोगी सदस्य दिन-रात जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहते हैं। यही समर्पण इस अभियान को खास बनाता है इस सेवा को और व्यापक रूप देने के लिए इसे गोवर्धनम फाउंडेशन की मुहिम मिशन जन आवाज से जोड़ा गया है। इस पहल के तहत अब केवल रक्तदान ही नहीं बल्कि हर प्रकार की आपात स्थिति में लोगों तक त्वरित और सुलभ सहायता पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है इसके लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है जिससे लोग सीधे संपर्क कर मदद प्राप्त कर सकते हैं फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक सिंह गहरवार ने कहा कि यह अभियान अब समाज के हर वर्ग की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगा उनका उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति कठिन समय में खुद को अकेला महसूस न करे कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने इस पहल की सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया यह अभियान न केवल जरूरतमंदों की मदद कर रहा है बल्कि युवाओं को भी समाजसेवा के लिए प्रेरित कर रहा है जिससे एक सकारात्मक सामाजिक बदलाव की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया जा रहा है।

### बैंकर्स के साथ समीक्षा बैठक, स्वरोजगार योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

# महिलाओं और स्व-सहायता समूहों को प्राथमिकता ग्राहकों से बेहतर व्यवहार और पारदर्शिता पर जोर

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** कलेक्टर विकास मिश्रा ने बैंकर्स के साथ शक्रवार को आयोजित बैठक में स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की बैठक में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रकरणों की स्वीकृति वितरण एवं लंबित मामलों की स्थिति पर चर्चा करते हुए सभी बैंकों को निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने जिले में आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं एवं स्व-सहायता समूहों को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है इसके लिए बैंकर्स सक्रिय भूमिका निभाएं बैठक में निर्देशित किया गया कि वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही विशेष अभियान चलाकर अधिकतम प्रकरणों का वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके। साथ ही प्रकरणों की गुणवत्ता (केस क्वालिटी) में सुधार लाने दस्तावेजों की पूर्णता सुनिश्चित करने एवं अनावश्यक लंबित मामलों को शीघ्र निराकृत करने पर भी जोर दिया गया कलेक्टर ने बैंकर्स को निर्देश दिए कि वे ग्राहकों के साथ सौहार्दपूर्ण एवं सहयोगात्मक व्यवहार रखें तथा योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि बैंक एवं संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, जिससे योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके बैठक में पारदर्शी एवं सकारात्मक कार्य वातावरण बनाए रखने पर बल देते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी संबंधित विभाग एवं बैंक मिलकर कार्य करें, ताकि जिले में स्वरोजगार के अवसरों का विस्तार हो और अधिक से अधिक लोगों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल सके।

## नालसा (बाल-हितैषी कानूनी सेवाएं) योजना 2024 के अंतर्गत अक्षय तृतीया के अवसर

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन एवं श्री मुकेश कुमार शिवहरे न्यायाधीश/सचिव के नेतृत्व में नालसा (बाल-हितैषी कानूनी सेवाएं) योजना 2024 के अंतर्गत अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह रोकथाम हेतु एक दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया है इस अभियान के तहत महिला बाल विकास विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए समस्त परियोजना अधिकारियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया है कि अक्षय तृतीया के दिन होने वाले वैवाहिक कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करनें एवं उक्त कार्यक्रम में यह भी पता लगाने का प्रयास करेंगे कि किसी का बाल विवाह तो नही कराया जा रहा है। इस प्रकार की आशंका होने पर तत्काल जिला विधिक सहायता अधिकारी सीधी को सूचित किये जाने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी रूपेन्द्र कुमार मिश्रा के मोबाइल नंबर 8349848577 पर सूचित किये जाने हेतु अनुरोध किया गया है ताकि समय रहते जिला विधिक सहायता अधिकारी संबंधित थाने से समन्वय स्थापित कर उचित रोकथाम का प्रयास कर सकेंगे साथ ही आम जनता से यह भी अपील की जा रही है कि बाल विवाह संबंधी किसी प्रकार की जानकारी के लिए तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अथवा नालसा हेल्पलाईन नंबर नालसा 15100 में सूचित कर सकते है।

# गिरा संविधान संशोधन बिल : महिला आरक्षण व परिसीमन विधेयक सिरे न चढ़े

संपादकीय

जैसे कि पहले से कायस लगाए जा रहे थे, शुक्रवार को लोकसभा में संविधान में प्रस्तावित 131वां संशोधन बिल मतदान के बाद गिर गया। दरअसल, यह बिल देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाया गया था। राजनीतिक पंडित पहले ही कह रहे थे कि संविधान संशोधन के लिये जरूरी दो तिहाई बहुमत सरकार के पास नहीं है, जिससे बिल के पारित होने पर संशय था। वैसा ही हुआ और राजग सरकार दो तिहाई वोट हासिल करने में विफल रही। बिल के समर्थन में 298 और इसके विरोध में 230 वोट पड़े। आखिरकार सरकार की ओर से कहा गया कि अब दोनों बाकी प्रस्तावित संशोधन बिलों को आगे न बढ़ाने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि महिलाओं को 33 आरक्षण देने वाले कानून में संशोधन को लेकर बुलाए गए विशेष सत्र में पिछले कुछ दिनों से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गरमागरम बहस जारी थी। विपक्ष इस संशोधन में शामिल परिसीमन को लेकर सरकार की घेराबंदी कर रहा था। दरअसल, दक्षिण भारत के उन राज्यों में इसको लेकर खासा विरोध था जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण करके आर्थिक विकास को प्राथमिकता बनाया था। उनकी आशंका थी कि परिसीमन विधेयक के अस्तित्व में आने से संसद में इन राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा।

विपक्ष में का आरोप है कि संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण संशोधन बिल को पारित करने का उपक्रम महज कुछ राज्यों में हो रहे चुनाव में बढ़त हासिल करने के लिये था। ताकि महिला वोटरों को लुभाया जा सके। विपक्ष ने संसद में जारी बहस के बीच कानून मंत्रालय द्वारा महिला आरक्षण अधिनियम 2023 को लागू करने के लिये अधिसूचना जारी करने पर भी सवाल उठाये। उल्लेखनीय है कि महिला आरक्षण कानून का उद्देश्य संसद और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिये 33 फीसदी आरक्षण लागू करने का प्रावधान था। मगर राजग सरकार ने प्रस्तावित 131वें संविधान बिल 2026 में सीटों में आरक्षण को परिसीमन के आधार पर लागू करने की बात कही थी। दरअसल, विपक्ष इस संशोधन बिल की टाइमिंग और आरक्षण को परिसीमन के आधार पर लागू करने की शर्त पर सवाल उठाता रहा है। कांग्रेस पार्टी की ओर से कहा गया कि 33 फीसदी आरक्षण को लोकसभा की मौजूदा सीटों के आधार पर ही लागू करना चाहिए। विपक्ष परिसीमन से उपजी विसंगतियों और दक्षिण के राज्यों की चिंताओं को तरजीह देने की बात करता रहा है। वहीं सत्ता पक्ष की दलील रही कि विपक्ष महिला आरक्षण का विरोध कर रहा है। बिल का मकसद महिला सशक्तीकरण ही है। जिसके लिये इसके लागू करने के तरीके का विरोध किया जा रहा है। सत्ता पक्ष की दलील थी कि परिसीमन संविधान सम्मत है और बढ़ती आबादी के बाद सीटों को तार्किक बनाये जाने की जरूरत है।

## महिला विधेयक बिल के पास ना होने के कई कारण

**संजय गोस्वामी**

महिला विधेयक बिल नहीं पास हुआ दरअसल महिलाओ से ज्यादा पुरुष परेशान है क्योंकि उसे घर माता पिता और सभी का ख्याल रखना पड़ता है और स्त्री पुरुष में भेदभाव करना सही नहीं ऐ सभी दलों के लोगों ने सोचा होगा आज बंगाल में चुनाव है इसलिए ऐ बिल 2014 से अब क्यों लाया गया।

मर्यादा पुरषोत्तम भगवान राम है इसलिए वो पुरुष हैं जो पुरुष होते हैं उनका मन चंचल नहीं होता और में इसलिए राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है। इसलिए कि यह एक प्रमुख धार्मिक मान्यता है जो हिंदू धर्म में प्रचलित है। पुरुषोत्तम शब्द संस्कृत भाषा से लिया गया है, जिसमें पुरुष का अर्थ होता है मनुष्य और उत्तम का अर्थ होता है श्रेष्ठ या सर्वोत्कृष्ट। इस शब्द का श्री राम के लिए प्रयोग किया जाता है ताकि इससे उनकी परम गुणवत्ता और पूर्णता का संकेत दिया जा सके।श्री राम का जीवन अपने चिंतन और चरित्र से मनुष्य की संपूर्ण गरिमा को चरितार्थ करता है। मनुष्य किस स्तर तक विकसित हो कि उसमें भागवत चेतन प्रकट हो सके। इस प्रश्न का उत्तर श्रीराम के चरित्र में मिलता हैं। देवर्षि नारद ने वालमीकि से पूछा था कि संसार में गुणवान,तेजस्वी,धर्मज्ञ उपकार मानने वाला, सत्यव्रती, दृढ़ प्रतिज्ञ, सदाचार से युक्त, सबका हितैषी ,प्रियदर्शी,जितेंद्रिय,क्रोध और समस्त आवेगों पर नियंत्रण रखने वाला,कीर्तिमान और अनिंद्य कौन है। ऐसा कौन सा पुरूष है जो दूसरों को जीतने की कामना नहीं रखता और स्वयं अजेय है ? महर्षि वाल्मीकि इस प्रश्न के उत्तर में रामचरित सुनाते हैं। राम के राज्य में रमणीयता ही रमणीयता सर्वत्र नजर आती थी। प्रत्येक कार्य यज्ञ की भावना से सम्पन्न होता था। असत्य, अधर्म, अन्याय, अत्याचार, आतंक आदि आसुरी प्रवृत्तियों के लिए कहीं कोई स्थान नहीं था। पारस्परिक प्रेम,सद्भावना और सहयोग से प्रेरित होकर सभी लोग अपने-अपने कार्य अपनी-अपनी योग्यता के अनुसार करते रहते थे। प्रत्येक व्यक्ति सार्वजनिक हित की भावना से ही प्रत्येक कार्य को करने लगता था। किसी को किसी के प्रति कोई शिकायत नहीं होती थी और न किसी के मन में किसी के प्रति द्वेष था। सभी लोग राम का नाम लेकर रामराज्य का गुणगान करते हैं और हृदय से चाहते थे कि यह राज्य अनंत काल तक चलता रहे। इसीलिए राम किसी एक युग का या जग का नहीं बल्कि विश्व का है। वे शासक नहीं परिपालक हैं। राम और हिन्दुस्तान का जनमानस दोनों एक दूसरे के पर्यायवाची बन गए हैं। श्रीराम का चरित्र भारतीय संस्कृति के आदर्शवाद का उज्जवल प्रतीक बन गई है। श्री राम के चरित्र को देखकर कोई भी व्यक्ति या समूह अपना चरित सुधार सकता है। राम आदर्श गृहस्थ हैं ,वनवासी हैं ,राजा भी हैं ,नागरिक भी हैं ,स्तरीय समाज का निर्माण ही उनका उद्देश्य है।

श्री राम हिंदू धर्म के एक प्रमुख अवतार माने जाते हैं, जिन्हें पुराणों और एपिक महाकाव्य रामायण में प्रमुखता से वर्णित किया गया है। उन्हें अदार्श पुरुष, धर्मात्मा, न्यायप्रिय, सामरिक कुशल, प्रेमी पति, सदभक्त, धर्म का पालन करने वाले और भक्तों के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में माना जाता है। इसलिए श्री राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है।इसलिए जब तक भगवान राम रहेंगे तब तक किसी से भेदभाव नहीं करेंगे, नर और नारी एक समान सब है प्रभु राम की संतान। इसी इस बात से समझ सकते हैं भगवान राम पुरुष के रूप में ही आखिर जन्म क्यों लिए उन्हें अन्त करना था ऐसे रावण को जो अधर्मी था और घमंड और सर्वशक्तिमान समझता था इसलिए भगवान राम को धर्म और मानवता को बचाने के लिए एक लम्बी लड़ाई रावण से लड़नी थी यदि महिला होते परिवार होता तो महिलाओ को 9 महीने तक गर्भ धारण करना पड़ता जो लड़ाई में बाधा क्या लड़ ही नहीं पाते, यह सच है कि यदि आपके देश में अचानक क़ोई युद्ध छेड़ देता है और उस वक़्त महिला सैनिक यदि गर्भवती हो तो युद्ध कैसे करेगी, आजकल इसी समस्या को देखते हुए सरकार ने 2 साल का चाइल्ड केयर लीव मिलता है लेकिन सेना में युद्ध की परिस्थिति में गर्भवती हो तो युद्ध में शामिल नहीं हो सकती है इसलिए नारी में ममता होता है और अपने बच्चे को सही तरीके से पालन पोषण चाहिए इसलिए बिल ना पास के इस मुद्दे को लोकसभा से चुने गए सांसद को महिला विरोधी नहीं कहा जा सकता लोकतान्त्रिक व्यवस्था ही देश की दिशा तय करती है इसपर निराश भी नहीं होने की जरुरत है आप यदि जानकार होंगे।

# दवाओं की बढ़ती लत-स्वास्थ्य के लिए कितनी घातक?

**वे यह कतई महसूस नहीं करते कि गलत ढंग से अग्रेजी दवाओं के उपयोग से शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और वे उस रोग के उपचार के बजाय नये रोग को जन्म दे सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को बुखार आये तो यह जरूरी नही कि वह बुखार मलेरिया ही हो और मलेरिया की दवाई खाना शुरू कर दी जाये, संभव है कि यह वायरल जनित बुखार हो, जिसके लिए मलेरिया की दवाई के सेवन की नहीं बल्कि अन्य गोली लेने पडती है। वायरल बुखार होने पर रोगी को बिना डाक्टर की सलाह के मलेरिया की दवाई देने से रोगी के शरीर पर उसका विपरीत प्रभाव पड़ता है।**

**मुकेश तिवारी**

ऐसे लाखों लोग है, जो डॉक्टर वही अच्छा, जो ज्यादा महंगी ज्यादा दवाईयां लिखें ऐसे व्यक्ति मानते हैं कि मंहगी दवाई सस्ती दवाई की तुलना में ज्यादा असरदार होती है। ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है जो मामूली शारीरिक व्याधि उठाने पर डाक्टर से सलाह लिए बिना ही दवा की दुकान से व्याधि के उपचार के लिए प्रचारित की जाने वाली पेटेंट दवाएं खरीद कर बिना किसी हिचकिचाहट के उसका सेवन कर लेते हैं।

वे यह कतई महसूस नहीं करते कि गलत ढंग से अग्रेजी दवाओं के उपयोग से शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और वे उस रोग के उपचार के बजाय नये रोग को जन्म दे सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को बुखार आये तो यह जरूरी नही कि वह बुखार मलेरिया ही हो और मलेरिया की दवाई खाना शुरू कर दी जाये, संभव है कि यह वायरल जनित बुखार हो, जिसके लिए मलेरिया की दवाई के सेवन की नहीं बल्कि अन्य गोली लेने पडती है। वायरल बुखार होने पर रोगी को बिना डाक्टर की सलाह के मलेरिया की दवाई देने से रोगी के शरीर पर उसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। चौकाने वाली बात है कि दवा कंपनी से मिलने वाले मोटे कमीशन के चक्कर में चिकित्सक अधिक मंहगी दवाईयां लिख रहे हैं।

आधुनिक चिकित्सा पद्धति के तहत औषधि निर्माण कंपनियां जिस तरीके से बडे पैमाने पर दवाइयां बना रही है, उसी प्रकार चिकित्सक भी रोगी को धड़ाधड़ इन दावों के सेवन का परामर्श दे रहे हैं । मरीज भी ऐसा कर रहा है यही वजह है ,की इन दवाओं के अनचाहे प्रभाव बढ़ते जा रहे हैं। इसके लिए दवा कंपनियों डॉक्टर और मरीज में से किसी एक वर्ग को कसूर बार मानना गलत है । क्योंकि इसमें तीनों का योगदान है।

आज के दौर में चिकित्सा क्षेत्र मुनाफाखोरी का जरिया बन चुका है। दवा कंपनियों में आपसी गला काट होड़ मची हुई है। बड़ी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा खड़े नही रह पाने के कारण छोटी कंपनियां कभी-कभी नकली दवाई बेचने से बाज नहीं आती ऐसी कई कंपनियां कैप्सूल में चौक या कॉफी का पाउड,र हल्दी पावडर मिलाकर इन दवाओं को सस्ता बेचती है।

चिकित्सक अपनी व्यस्तता के चलते यह पता लगाने की स्थिति में नहीं है कि कौन सी दवा नकली है और कौन सी असली? नाम चीन डॉक्टर के पास इतना वक्त नहीं होता कि पर्याप्त वक्त निकाल कर वह मरीज को उसकी दवा और बीमारी के बारे में विस्तृत जानकारी दें सके। तथा कम से कम औषधि के सेवन के लाभ समझा ये।

दरअसल दमा के रोगी को ही लीजिए इस रोग के उपचार के लिए सिर्फ सात आठ

दवाई है, परंतु बाजार में विभिन्न नाम से अनेक कंपनियों की सैकड़ो दवाई धडल्ले से बिक रही है। जब कभी कोई विशेष ब्रांड की दवा कुछ मरीजों को फायदा कर जाती है तो डॉक्टर व मरीज दोनों उसके पीछे दौड़ पडते हैं । वैसे सभी दवाओं के कुछ न कुछ बुरे असर आवश्यक होते हैं, कोई भी दवा तभी उपयोगी मानी जा सकती है। जब उसके फायदे उसकी बुराइयों से ज्यादा हो, लेकिन कभी कभी यह लाभकारी दवाएं भी व्यक्ति विशेष पर बुरे प्रभाव डालती है, उदाहरणार्थ चमत्कारी दवा पेनासलिन ने अब तक करोड़ लोगों को जीवन रक्षा की है, किंतु कुछ व्यक्तियों में इसके बुरे असर सारे शरीर में लाल चकते से लेकर मृत्यु तक के रूप में सामने आए हैं। कई जाने तो पेनासलिन के परीक्षण के दौरान ही चली ग ई । फेनासेटिन नामक दवा दर्द निरोधक के रूप में सालों से प्रयोग की जाती रही है । लेकिन हाल में गुर्दे के ऊपर उसके बुरे असर का पता चला। तब से दवा के बनाने, बिक्री तथा उसके प्रयोग पर रोक लगा दी गई है। कुछ दबाए ऐसी भी हैं जो हड्डियों तथा दांतों में एकत्रित हो जाती है। टेटरासाइक्लिन नामक दवा इसी प्रकार की है। कुछ बच्चों के दांत इसलिए पीले हो जाते हैं कि उन्होंने बचपन में या जब वे माँ के गर्भ में थे, उनकी मां ने टेटरासाइक्लिन का सेवन किया था।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कुछ दवाई कभी भी खाली पेट नहीं लेना चाहिए, उन्हें भोजन के पश्चात ही लेना चाहिए, एस्पिरीन इसी तरह की दवा है, पूरी दुनिया में लोग प्रति वर्ष आठ करोड़ पौड जितनी अधिक मात्रा में इसका सेवन करते हैं। लेकिन मोटे तौर पर यह रोग को किस प्रक्रिया से प्रभावित करती है, यह तक ज्ञात नहीं हो सका है। उक्त दवा साधारण दर्द से लेकर दिल के दौरे के दौरान प्रयोग की जाती है। हालांकि समस्या यह है कि इसका बुरा असर शरीर में खासकर मस्तिष्क और पेट में रक्त स्राव के रूप में सामने आते है।

इसके अलावा प्रत्येक दवा की निधारित खुराक लेना जरुरी है। तभी उसका रक्त में समुचित स्तर कायम रह सकता है। समुचित स्तर की वजह से ही दवा रोगी को लाभदायक रहती है। इसके विपरीत यदि खुराक की मात्रा अधिक हो जाये तो दवा के बुरे असर सामने आ सकते हैं। डाक्टर रोगी को अक्सर एक निश्चित अवधि तक दवा के सेवन की सलाह देते हैं, साधारण तया एंटीबायोटिक दवाओं का कोर्स पांच दिन के लिए होता है। लेकिन क ई रोगी दिन बाद ही आराम पा लेते हैं और दवा का सेवन छोड़ देते हैं लेकिन कुछ दिनों के पश्चात जब उन्हें वैसी ही तकलीफ पुनः शुरू होती है तो वे डाक्टर से पूछते हैं कि क्या बाकी तीन दिन तक ये दवाएं और खा लेने से वे फिर ठीक हो जायेगे? यह सच है कि पहले प्रयुक्त की गई दवा के प्रति रोगणुओं में प्रतिरोध विकसित हो जाता है और इस प्रकार यह दवा बेअसर साबित होती है। आधुनिक अनुसंधानों ने अब इस बात की पुष्टि की है कि गर्भस्थ शिशु पर विभिन्न प्रकार की आवाजों, संगीत तथा मां की भावनाओं का भी असर पड़ता है, इस के अलावा यदि माँ चाय, काफ़ी, क्रीम इत्यादि के सेवन की आदि है तो उसका असर गर्भस्थ शिशु पर पडता है। यह देखने में आया है कि जो बच्चे विकलांग उत्पन्न होते हैं, उनकी माताएं गभावस्था में अनेक प्रकार की दवाईयों का सेवन करती थी, जो दवाएं इस तरह का नुकसान पहुंचाती है, हकीकत यह है कि उनका पता तब लगता है जब वे क ई हजार बच्चों को विकलांग बना चुकी होती है, टेटारासाइकिलन, थैलीडोमाइड, आदि ऐसी ही दवाएं है जिनके बारे में काफी नुकसान होने के बाद एहतियात बरती गयी। माँ को मिरगी होने पर दी जाने वाली दवाओं के कारण ऐसे बच्चे उत्पन्न हुए जिनके पैर गदानुमा तथा उनके होठ कटे हुए थे। विटामिन ए आयोडीन, नशीली दवाओं तथा हारमोस के ज्यादा सेवन से शिशुओ में विभिन्न प्रकार की विकलांगता होने के प्रमाण सामने आ चुके हैं।

दवाओं की दुकान पर जाने पर शोकेस में टानिक व विटामिन नजर आते है। जो लुभावनी बोतलों, शीशियों तथा कैप्सूल या गोलियों के रुप में होते हैं। इनकी निर्माणकर्ता कंपनी उनके बारे में दावा करती है कि ये औषधियाँ मांसपेशियां बढाने, दिमाग ज्यादा तेज करने, स्नायु तंत्र शातिशाली बनाने, भूख तेज करने और जीवन शक्ति , बढाने वाली है, जबकि असलियत यह है कि अधिकतर ऐसे टानिक, विटामिन वैसा सकारात्मक असर नहीं डालते । पृथक -पृथक निर्माण कंपनियां अपने-अपने टानिकों को एक दूसरे से अलग-अलग बताती हैं ,जबकि इन सभी में विटामिन ग्लसरो फास्फेट तथा लोह तत्व के अतिरिक्त कभी-कभी कैफीन शराब जैसी चीज मिलाई जाती है। ये शायद ही वे सकारात्मक स्वास्थ्यवर्धक व शक्तिशाली प्रभाव दे पाते हैं। जिनका जोर-जोर से प्रचार किया जाता है हां कुछ मरीजों में जिनमें वास्तव में लोह तत्व या विटामिन की कमी है उनका मामूली फायदा अवश्य पहुंचता है मगर वैसी हालत में इन बनावटी महंगे टानिकों को क्रय करने की क्या आवश्यकता है। जबकि बाजार में लोह तत्व या विटामिन युक्त सस्ती दवाइयां आसानी से उपलब्ध है।

विश्लेषण से स्पष्ट है कि समाज में दबाओं की लत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, जिस पर अंकुश लगाना अत्यंत जरूरी है। औषधि निर्माता कंपनी और डॉक्टर को महज मुनाफाखोरी की दृष्टि से नहीं सोचना चाहिए ,बल्कि जन स्वास्थ्य की भी वास्तविकताओं के साथ भी उन्हें तालमेल बैठने पर जोर देना चाहिए।

# अनंत समृद्धि का दिन है अक्षय तृतीया

**अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं। क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है।**

**रमेश सर्राफ धमोरा**

हमारे देश में समय-समय पर बहुत से त्यौहार मनाये जाते हैं। इसलिए हमारे देश को त्योहारों का देश भी कहते है। हिन्दू धर्मावलम्बियों के प्रमुख त्योहारों में से एक अक्षय तृतीया है जिसे हम आखा तीज भी कहते हैं। अक्षय तृतीया देश भर में हिंदुओं द्वारा मनाए जाने वाले सबसे पवित्र और शुभ दिनों में से एक है। माना जाता है कि इस दिन से जो भी कार्य इस शुरू होता है वो हमेशा पूर्ण होता है। यह त्यौहार हर वर्ष वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष के तृतीया को आता है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को है। अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं। क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है।

माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया था। इसीलिये इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में मनाते हैं। मान्यता है कि आखा तीज के दिन राजा भागीरथ गंगा नदी को पृथ्वी पर लाये थे। अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु तथा उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। आखा तीज के दिन ही देवी अन्नपूर्णा का जन्म भी हुआ था। यह वह दिन था जब भगवान कृष्ण ने अपनी सारी संपत्ति और सौभाग्य अपने गरीब मित्र सुदामा को दे दिया था। अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धेय ऋषि वेद व्यास ने महाभारत की रचना शुरू की थी। और पुराणों के अनुसार यह दिन त्रेता युग की शुरुआत का प्रतीक है। जो मानव जाति के चार युगों या युगों में से दूसरा है।

अक्षय तृतीया वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। हिंदू शास्त्रों और पुराणों के अनुसार चार युग का चक्र होता है, जिसे सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग के नाम से जाना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन सतयुग जिसे इंसान के जीवन का सुनहरा दौर कहा जाता है वो समाप्त हो जाता है और त्रेतायुग शुरू हो जाता है। इसलिए अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहा जाता है। हिंदू परिवारों के लिए यह दिन बहुत ज्यादा महत्व रखता है।

अक्षय शब्द का अर्थ होता है कभी न मिटने या कम होने होने वाला। संस्कृत में अक्षय (अक्षय) शब्द का अर्थ समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता होता है। जबकि तृतीया का अर्थ है चंद्रमा का तीसरा चरण। इसका नाम हिंदू कैलेंडर में वैसाख के वसंत महीने के तीसरे चंद्र दिवस के नाम पर रखा गया है। इस त्योहार को हम अपनी भाषा में आखातीज नाम से भी जानते हैं। जिसका अर्थ होता है जो कभी खत्म ना होने वाला। इसलिए माना जाता है की यह दिन हमारे लिए वस्तुओं की खरीदारी का सबसे शुभ दिन माना जाता है। अक्षय शब्द का अर्थ होता है जो कभी खत्म न हो। इसी कारण इस दिन किए गए सभी अच्छे कार्यों, जैसे जप, यज्ञ, दान-पुण्य, का पुण्य कभी भी समाप्त नहीं होता। माना जाता है कि अक्षय तृतीया का दिन व्यक्ति को अनंत सुख और समृद्धि की प्राप्ति करता है। इस दिन जितने पुण्य किए जाए उतने हमें हमारे लिए कम है।

जैन धर्म में अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण तिथि है जिसे दान और पुण्य कार्य करने के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान ऋषभदेव (प्रथम तीर्थंकर) ने एक वर्ष की तपस्या के बाद गन्ने के रस से पारणा किया था इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता हैं। अक्षय तृतीया के दिन यूं तो आप किसी भी देवी-देवता की पूजा कर सकते हैं। लेकिन विशेष रूप से इस दिन माता लक्ष्मी, भगवान गणेश और धन के देवता कुबेर की पूजा करने का विधान है। अन्य त्योहारों की तरह इस त्यौहार में भी दीपक जलाते हैं। इस दिन किया गया परोपकार हमारे लिए जीवन को सुखी बना देता हैं। इसीलिए इस दिन लोग गरीबों को भोजन कराते हैं तथा उनकी सहायता करते हैं।

माना जाता है कि इस दिन किए गए पुण्य हमारे लिए स्वर्ग में जगह बनाते हैं। इस दिन कई लोग जागरण रखकर हवन करते हैं तथा गरीबों को दान देते हैं। कई लोग अपने नए घर में मुहूर्त के हिसाब से प्रवेश करते हैं। अक्षय तृतीया का पौराणिक महत्व भी है। मान्यता है कि इसी दिन सतयुग और त्रेता युग का आरंभ हुआ था। द्वापर युग का समापन और महाभारत युद्ध का समापन भी इसी तिथि को हुआ था। देश के अनेक हिस्सों में इस तिथि का अलग-अलग महत्व है। जैसे उड़ीसा और पंजाब में इस तिथि को किसानों की समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। तो बंगाल में इस दिन गणपति और लक्ष्मीजी की पूजा का विधान है।

इतना पवित्र पर्व होने के उपरांत भी इस दिन बड़ी संख्या में होने वाले बाल विवाह इस पर्व के महत्व को कम करते हैं। अबूझ सावा मानकर बड़ी संख्या में लोग अपने नाबालिक बच्चों की इस दिन शादी कर देते हैं। कम उम्र के बच्चों के विवाह रोकने के लिए इस दिन प्रशासन को विशेष इंतजाम करने पड़ते हैं। राजस्थान सहित कई प्रदेशों में तो अक्षय तृतीया का दिन बाल विवाह के लिए बदनाम हो चुका है। विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है।

देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। तमाम प्रयासों के बाबजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। भारत में बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचावो बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही है। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। ऐसे पवित्र दिन का महत्व बनाए रखने के लिए समाज को इस दिन होने वाली कुरीतियों पर रोक लगाकर एक सकारात्मक संदेश देना होगा। तभी सार्थकता बनी रह पाएगी।

नर्मदापुरम में भगवान परशुराम की शोभायात्रा

# पारम्परिक वेशभूषा पहनकर निकलेगा विप्र समाज, कल मनेगा जन्मोत्सव

**मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम ( निप्र )।** नर्मदापुरम में भगवान परशुराम प्राकट्य उत्सव के 41वें वर्ष पर (शनिवार) शाम 4 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। सेठानी घाट से शुरू होने वाली इस यात्रा में विप्र समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे। वर्तमान में यात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और रविवार (19 अप्रैल) को शहर के गोपाल मंदिर में जन्मोत्सव का मुख्य कार्यक्रम होगा घोड़े-बग्गी पर विराजेंगे भगवान तिलक भवन पर होगी महाआरती शोभायात्रा नर्मदा घाट से शुरू होकर जगदीशपुरा, सेंट्रल बैंक सराफा चौक, मोरछली चौक इंदिरा चौक और सतरस्ता होते हुए वापस नर्मदा घाट (तिलक भवन के सामने) पहुंचेगी यहां महाआरती होगी और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन होगा यात्रा में घोड़े-बग्गी पर भगवान परशुराम की प्रतिमा विराजित रहेगी इस दौरान नगर के विभिन्न समाज और संगठन यात्रा का भव्य स्वागत करते हुए पूजन करेंगे। रविवार को शाम 5 बजे गोपाल मंदिर में मनेगा जन्मोत्सव सर्व ब्राह्मण भगवान परशुराम प्रकट उत्सव समिति के अध्यक्ष पंडित रामकुमार गुबरेले ने बताया कि परशुराम भगवान विष्णु के 6वें अवतार हैं वे शस्त्र एवं शास्त्र में निपुण हैं उन्होंने सभी से अधिक संख्या में पहुंचकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है अक्षय तृतीया रविवार शाम से लग जाएगी इसलिए भगवान परशुराम का विशेष पूजन अभिषेक और प्रसादी 19 अप्रैल (रविवार) को शाम 5 बजे सुभाष चौक स्थित गोपाल मंदिर में होगी।





## पोहरी नगर परिषद में करोड़ों का भुगतान बिना भौतिक जांच

### स्वच्छता मिशन खरीदी में अनियमितता की शिकायत, जांच की मांग

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** शिवपुरी जिले की पोहरी नगर परिषद में स्वच्छता मिशन के तहत विभिन्न उपकरणों और सामग्रियों की खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगा है। शिकायत के अनुसार सीसीटीवी कैमरे शव वाहन ओपन जिम उपकरण, एलईडी लाइट कंक्रीट पाइप और पोल जैसी सामग्री बिना भौतिक सत्यापन के ही खरीदी गईं और उनका भुगतान कर दिया गया नगर परिषद के एक इंजीनियर ने वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित शिकायत दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि इन सामग्रियों का भौतिक निरीक्षण उन्होंने नहीं किया है और न ही उन्हें पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी गई इंजीनियर ने भुगतान जारी होने पर खुद को जिम्मेदारी से अलग करते हुए अनियमितता की आशंका जताई है शिकायत में बताया गया है कि अगस्त 2023 से अब तक करीब ढाई करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है जबकि सत्यापन प्रक्रिया अधूरी है। इंजीनियर ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में कोई गड़बड़ी सामने आती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित प्रशासनिक और वित्तीय अधिकारियों की होगी पोहरी क्षेत्र के विधायक कैलाश कुशवाह ने भी इस मामले को गंभीर बताया है उन्होंने पूर्व कलेक्टर से शिकायत करने की बात कही है और आरोप लगाया है कि ई-प्रोक्योरमेंट प्लेटफॉर्म का हवाला देकर बिना उचित जांच के भुगतान किए गए हैं, जिनकी राशि चार करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है विधायक ने जल्द कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है इस संबंध में नगर परिषद के इंजीनियर सत्येंद्र सिंह गढ़वाल ने कहा कि जिन मामलों की जानकारी उन्हें दी गई थी उनका ही सत्यापन किया गया है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि अन्य मामलों में शिकायतें आई हैं तो उनकी जांच आवश्यक है वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी राधा शर्मा ने सभी भुगतानों को नियमों के तहत किया गया बताया है उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां तकनीकी स्वीकृति की आवश्यकता थी, वहां पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया है।

## वकीलों के 2 गुटों में मारपीट,वॉट्सऐप पर हिसाब मांगने पर विवाद

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम ( निप्र )।** नर्मदापुरम में शुक्रवार रात मीनाक्षी चौक के पास अधिवक्ता संघ के दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई संघ के अध्यक्ष दीपक जैन के बेटों और अन्य युवकों ने कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा के साथ उनके ऑफिस के पास मारपीट की जिसमें अधिवक्ता शर्मा का कान जख्मी हो गया विवाद की शुरुआत वकीलों के एक वॉट्सऐप ग्रुप पर संघ के आय-व्यय का हिसाब मांगने को लेकर हुई थी कोतवाली थाने में देर रात तक चले हंगामे के बाद शनिवार तड़के करीब 3:30 बजे पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर (क्रॉस) केस दर्ज कर लिया है और वर्तमान में मामले की जांच की जा रही है वॉट्सऐप ग्रुप पर जाली का हिसाब मांगने से भड़का था अध्यक्ष का बेटा जानकारी के अनुसार विवाद की जड़ सोशल मीडिया (वॉट्सऐप) पर हुई बहस है कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा ने बताया कि अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष और सचिव ने 17 अप्रैल को एक सूचना जारी की थी, जिसमें 20 अप्रैल को होने वाली बैठक में संघ के 2 साल के आय-व्यय का हिसाब देने की बात कही गई थी शर्मा के मुताबिक उन्होंने वॉट्सऐप ग्रुप पर लिखा कि अध्यक्ष दीपक जैन को 2 साल में बेची गई जाली का हिसाब भी देना चाहिए इस बात पर अध्यक्ष के बेटे रोहन जैन ने ग्रुप पर अपशब्द कहे और कुछ देर बाद अपने साथियों के साथ ऑफिस आकर मारपीट शुरू कर दी। वहीं रोहन का आरोप है कि कोषाध्यक्ष उनके पिता (संघ अध्यक्ष) के खिलाफ वॉट्सऐप ग्रुप पर लगातार अनर्गल टिप्पणी करते थे दोनों पक्षों की शिकायत पर 7 लोगों के खिलाफ नामजद स्न्ह्रक्रमीनाक्षी चौक के पास कोषाध्यक्ष के ऑफिस पर हुए इस झगड़े में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाया है पुलिस ने कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा की शिकायत पर संघ अध्यक्ष दीपक जैन उनके दोनों पुत्र रोहन जैन मुन्नू जैन और अन्य 2 युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया है वहीं दूसरे पक्ष से अधिवक्ता रोहन जैन की शिकायत पर कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा, अधिवक्ता केशव चौहान और दुर्गेश सल्लाम के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है थाने में रातभर गहमागहमी जल्द होने हैं संघ के चुनाव शुक्रवार रात हुई घटना के बाद बड़ी संख्या में वकील कोतवाली थाने पहुंच गए और घंटों तक गहमागहमी चलती रही कोतवाली थाना क्षेत्र में माहौल गरमा गया एसआई विशाल नागवे ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों पक्षों की शिकायतों पर तड़के मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है बता दें कि अधिवक्ता संघ का मौजूदा कार्यकाल पूरा होने वाला है और जल्द ही दोबारा चुनाव होने हैं चुनाव से ठीक पहले हुई इस घटना को लेकर बार एसोसिएशन के भीतर काफी चर्चा और गुटबाजी का माहौल बन गया है।

## अवैध अहाते पर छापा :परशुराम चौराहे पर शराब ठेकेदार की दुकान पर कार्रवाई, भागे शराबी



**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए फिजिकल थाना पुलिस ने 17 अप्रैल (शुक्रवार) की देर शाम क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला और खुले में शराब पीने वाले हुड़दंगियों पर कार्रवाई की थाना प्रभारी नम्रता भदौरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने परशुराम चौराहा स्थित एक शराब दुकान पर छापा मारकर हरी जाली (मेटी) लगाकर संचालित किए जा रहे अवैध अहाते को बंद कराया जिससे शराबियों में भगदड़ मच गई। वर्तमान में पुलिस ने खुले में शराब पीने वालों को सख्त चेतावनी दी है और शहर में जुआ-सट्टा व अवैध शराब के खिलाफ विशेष अभियान तेज करने की बात कही है करौंदी सम्बेल से सिद्धेश्वर मेला ग्राउंड तक निकाला फ्लैग मार्च पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व सीएसपी के मार्गदर्शन में जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में शुक्रवार देर शाम थाना प्रभारी नम्रता भदौरिया अपनी टीम के साथ सड़क पर उतरीं पुलिस टीम ने पैदल गश्त करते हुए करौंदी सम्बेल से करौंदी दो बत्ती चौराहा और सिद्धेश्वर मेला ग्राउंड तक फ्लैग मार्च निकाला। गश्त के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर उपद्रव कर रहे लोगों को पुलिस ने समझाइश दी और स्पष्ट किया कि खुले में शराब पीना बर्दाश्त नहीं किया जाएगाठेकेदार कामेश शिवहरे की दुकान पर कार्रवाई मची भगदड़ अभियान के तहत पुलिस टीम ने परशुराम चौराहा स्थित ठेकेदार कामेश शिवहरे की शराब दुकान पर छापा मारा यहां ठेकेदार द्वारा हरी मेटी लगाकर अवैध रूप से अहाते का संचालन किया जा रहा था।पुलिस की कार्रवाई शुरू होते ही वहां शराब पी रहे लोगों में भगदड़ मच गई और कई लोग मौके से भाग निकले पुलिस ने मौके पर अवैध अहाते को बंद करा दिया है बता दें कि इस स्थान को लेकर पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि यहां शराबियों का जमावड़ा लगता है और खुले में शराबखोरी होती है आबकारी की मिलीभगत से शहर में चल रहे कई अवैध अहाते फ्लैग मार्च के दौरान थाना प्रभारी नम्रता भदौरिया ने आमजन से शांति बनाए रखने और कानून का पालन करने की अपील की शहर भर में शराब दुकान के ठेकेदारों द्वारा दुकानों के पास अस्थाई अहाते बनाए जाने की जानकारी सामने आई है सरकार ने अहाते बंद कर रखे हैं लेकिन आरोप है कि आबकारी विभाग की मिलीभगत से ठेकेदार अवैध अहाते संचालित कर रहे हैं जिनमें लोगों को शराब परोसी जा रही है। इनमें गुरुद्वारा चौराहा ग्वालियर बायपास सहित अन्य शराब दुकानें शामिल हैं।

## शिवपुरी में गर्मी के चलते स्कूल टाइम बदला

### कक्षाएं अब सुबह 7:30 से दोपहर 12 बजे तक लगेंगी, परीक्षाएं यथावत होंगी

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** शिवपुरी जिले में लगातार बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव ने कलेक्टर के निर्देश पर सभी स्कूलों के समय में तत्काल प्रभाव से बदलाव के आदेश जारी किए हैं नए आदेश के तहत जिले के सभी शासकीय, अशासकीय एमपी बोर्ड, सीबीएसई आईसीएसई सहित शासन से मान्यता प्राप्त स्कूलों में प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12वीं तक की कक्षाएं अब सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक संचालित होंगी पहले से तय परीक्षाएं यथावत रहेंगी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिन स्कूलों में पहले से परीक्षाएं या अन्य शैक्षणिक गतिविधियां निर्धारित हैं, वे अपने तय कार्यक्रम के अनुसार ही संचालित होंगी समय-सारणी में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है जिला प्रशासन के अनुसार यह फैसला छात्रों को दोपहर की तेज गर्मी और लू के असर से बचाने के लिए लिया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और किसी भी तरह की गर्मी जनित समस्या को रोकना है।

## नहर ओवरफ्लो, 40 एकड़ खेत तालाब में तब्दील 10 से ज्यादा किसानों की मूंग बर्बाद, SDO ने मानी मॉनिटरिंग में गलती



**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम ( निप्र )।** माखननगर तहसील स्थित शुक्करवाड़ा कलां क्षेत्र में तवा नहर में ओवरफ्लो पानी छोड़ने से करीब 40 एकड़ खेत तालाब में तब्दील हो गए हैं। खेतों में पानी भरने से 10 से ज्यादा किसानों की मूंग की फसल खराब हो गई है यह स्थिति शुक्रवार रात नहर विभाग के अफसरों की गलत मॉनिटरिंग के कारण बनी वर्तमान में किसानों की शिकायत के बाद नहर विभाग के अधिकारी केवल पानी का फ्लो कम करवाने की बात कह रहे हैं किसानों का कहना है कि पानी बंद नहीं हुआ तो यह दूसरे खेतों तक फैलेगा जिससे अन्य किसानों की फसल खराब होने की संभावना है रात भर आश्वासन देते रहे अफसर सुबह तक डूब गए खेत किसान अनिल गौर ने बताया शुक्रवार रात से ही नहर में पानी ओवरफ्लो होकर खेतों में भराने लगा था जिसकी जानकारी सब इंजीनियर एसडीओ और ईई को दी। पर सभी ने आश्वासन दिया कि पानी बंद करवा रहे है पर सुबह तक 30-35 एकड़ क्षेत्र के खेतों में पानी भरा गया जिससे मूंग फसल खराब हो गई किसानों का कहना है कि महंगी फसल बर्बाद होने से उनकी चिंता बढ़ गई है और नहर विभाग के अफसर किसानों के नुकसान व अपनी लापरवाही को नजरअंदाज कर रहे हैं इन किसानों के खेतों में घुसा पानी पिछले साल भी हुआ था नुकसान इस जलभराव से किसान पार्वती बाई मोहनलाल संतोष रमेश शिशुपाल, दरयाव सिंह, सरस्वती रमेश, शैलेंद्र गौर, जुगल किशोर गौर, विष्णु पन्नालाल, ऋषि, चुनटी लाल, रविंद्र मुकुंद सिंह, अनिल गौर, रामकुमार विजय शंकर गौर और अनिल कुमार लालताप्रसाद गौर समेत अन्य किसानों के खेतों में पानी घुस गया है किसानों ने बताया कि तवा नहर विभाग द्वारा ओवरफ्लो पानी छोड़ने की वजह से पिछले साल गेहूं की फसलें भी बर्बाद हुई थीं तब भी विभाग द्वारा किसी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई थी ईई ने सवाल सुनकर काटा कॉल SDO बोले- मॉनिटरिंग में हुई गलती खेतों में पानी भराने के संबंध में जब तवा नहर विभाग की ईई प्रतिभा सिंह को कॉल किया गया तो उन्होंने कहा कि पानी ओवरफ्लो होने से यह स्थिति बनी है और हम फ्लो कम करवा रहे हैं जब उनसे पूछा गया कि ओवरफ्लो पानी कैसे छोड़ा गया तो इसका जवाब देने के बजाय उन्होंने कॉल कट कर दिया।

DWPS मनेन्द्रगढ़ ने रचा इतिहास, कक्षा 10वीं में 100' परिणाम

## मेधावी छात्रों की शानदार सफलता से क्षेत्र गौरवान्वित

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** संभाग के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में शामिल दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, मनेन्द्रगढ़ ने एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता का परचम लहराते हुए शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं का शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया है इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने न केवल विद्यालय की साख को और मजबूत किया हैझ बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान किया है विद्यालय के इस शानदार परिणाम के पीछे विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन शिक्षकों का समर्पण और सुदृढ़ शैक्षणिक व्यवस्था का अहम योगदान रहा है इस वर्ष के परीक्षा परिणाम में कई विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए और विद्यालय का नाम रोशन किया मेधावी विद्यार्थियों में अर्चित दुजानिया ने 96% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया वहीं लिज़ा दीवान ने 95% अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया हृषि वर्मा और रचित गुप्ता ने 91-91% अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर अपनी जगह बनाई इसके अतिरिक्त मनजोत सलूजा ने 90% अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट श्रेणी में स्थान प्राप्त किया अन्य विद्यार्थियों ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया जिनमें इशान साहू (86%), हरनीश चावला (85%), अर्नव अग्रवाल (84.4%), अवंतिका सिंह (83.6%) और अदिति प्रधान (83.2%) शामिल हैं इन सभी छात्रों की उपलब्धियों ने विद्यालय के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है विद्यालय के प्राचार्य डॉ. बसंत कुमार तिवारी ने इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी विद्यार्थियों अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यालय की गुणवत्ता-प्रधान शिक्षा अनुशासित वातावरण और समर्पित शिक्षकों की मेहनत का प्रतीक है उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया संस्था की निदेशिका पूनम सिंह ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता उनके निरंतर परिश्रम दृढ़ संकल्प और शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन का परिणाम है उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की विद्यालय की यह उपलब्धि न केवल संस्थान के लिए गौरव का विषय है बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है यह सफलता यह संदेश देती है कि मेहनत अनुशासन और सही मार्गदर्शन के साथ किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है आने वाले वर्षों में भी विद्यालय इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणामों के साथ शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।

स्थापना बाबू 40 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

## नपा के निलंबित एआरआई से बहाली के नाम पर मांगे थे 60 हजार

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** लोकायुक्त टीम ने नगर पालिका में पदस्थ स्थापना बाबू भगवान लाल करोलिया को 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। बहाली के नाम पर मांगी गई रिश्वत की शिकायत नगर पालिका के निलंबित एआरआई हरिभल्लभ चंदौरिया ने लोकायुक्त ग्वालियर में दर्ज कराई थी, जिसके बाद टीम ने ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया शिकायतकर्ता हरिभल्लभ चंदौरिया ने बताया कि वह नगर पालिका शिवपुरी में एआरआई के पद पर पदस्थ थे। 14 नवंबर 2025 को सीएमओ इशांक धाकड़ ने बिना नोटिस दिए उन्हें निलंबित कर दिया था। निलंबन के बाद तीन महीने तक बहाली के नाम पर नगर पालिका के अलग-अलग बाबुओं द्वारा उनसे रिश्वत मांगी जाती रही। इस संबंध में उन्होंने संचनालय में भी शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई और उल्टा उनके खिलाफ आरोप पत्र जारी कर दिए गए चंदौरिया के अनुसार 16 अप्रैल को स्थापना बाबू भगवान लाल करोलिया ने सीएमओ के नाम पर 60 हजार रुपए की मांग की थी। उसी दिन 20 हजार रुपए देकर बात तय की गई और इसकी शिकायत लोकायुक्त में दर्ज करा दी गई। शनिवार को जब उन्होंने करोलिया को उनके घर के आंगन में बाकी 40 हजार रुपए दिए, तभी लोकायुक्त टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया।

**लापरवाही और टैक्स गड़बड़ी में हुआ था निलंबन**

सीएमओ इशांक धाकड़ ने सफाई देते हुए बताया कि एआरआई हरिभल्लभ चंदौरिया को लापरवाही के चलते

## मंदसौर में तस्कर गिरफ्तार, 70 ग्राम एमडी जब्त

**मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)।** मंदसौर जिले की नारायणगढ़ पुलिस ने शुक्रवार को अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 70 ग्राम एमडी (मेफेड्रोन) और 7 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद किया।

**झार्डा-भंवरासा रोड पर पुलिस की सतर्कता से सफलता:** जानकारी के अनुसार, थाना प्रभारी भारत भाबर के नेतृत्व में चौकी प्रभारी झार्डा उपनिरीक्षक रितेश डामोर द्वारा टीम के साथ झार्डा से भंवरासा रोड स्थित बोरखेड़ी इंदौर फंटा पर घेराबंदी कर कार्रवाई की गई। इस दौरान संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी लेने पर उसके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ बरामद हुआ।

**आरोपी मंदसौर का निवासी, एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज:** पुलिस ने आरोपी महजर अली शाह (22 वर्ष), निवासी कोलगर गली मदारपुरा, मंदसौर को मौके से गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ थाना नारायणगढ़ में अपराध क्रमांक 87/26 के तहत धारा 8/15, 22 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

**मादक पदार्थ जब्त:** पुलिस ने आरोपी के पास से कुल 70 ग्राम एमडी और 7 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया। इसके अलावा एक बिना नंबर की हीरो स्प्लेंडर प्रो मोटरसाइकिल (कीमत करीब 30 हजार रुपये) और एक एंड्रॉयड मोबाइल (कीमत करीब 10 हजार रुपये) भी जब्त किया गया है।

**सप्लाई चेन खंगालने में जुटी पुलिस:** फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि वह यह मादक पदार्थ कहां से लाया था और किसे सप्लाई करने जा रहा था। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के आधार पर तस्करी से जुड़े अन्य आरोपियों तक भी जल्द पहुंच बनाई जाएगी।

## रतलाम में मिला युवक का शव :बाजना में औंधे मुंह पड़ी थी लाश; चेहरे पर चोट के निशान; बाइक भी पास में मिली

**मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)।** रतलाम जिले के बाजना थाना क्षेत्र स्थित डाबर गांव में शनिवार सुबह एक 35 वर्षीय युवक का शव पहाड़ी इलाके में औंधे मुंह पड़ा मिला। मृतक के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान हैं और पास ही उसकी बाइक भी मिली है। वर्तमान में पुलिस हत्या की आशंका जताते हुए मामले की जांच कर रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है।

**पथरीले इलाके में मिला शव:** कान और चेहरे से बह रहा था खून मृतक की पहचान डाबर गांव निवासी तेजा (35) पिता नाकू डोडियार के रूप में हुई है। उसका शव गांव के ही पहाड़ी और पथरीले इलाके में पड़ा मिला। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक के चेहरे और कान के पास से काफी खून बहा हुआ था और शरीर पर चोटों के निशान भी मिले हैं। चेहरे की स्थिति को देखकर अंदेशा जताया जा रहा है कि किसी ने उस पर जानलेवा हमला किया है।

**FSL टीम ने की जांच, 12 बजे मेडिकल कॉलेज भेजा शव:** घटना की सूचना मिलते ही बाजना थाना प्रभारी मनीष डाबर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास के क्षेत्र को सर्च किया। इसके बाद एफएसएल (स्नस्रु) अधिकारी डॉ. अतुल मित्तल भी मौके पर पहुंचे और सबूत जुटाए। दोपहर 12 बजे घटनास्थल की पूरी कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने शव की शिनाख्त की।

**घर से कब निकला था मृतक, पुलिस कर रही पड़ताल:** पुलिस अब परिजनों के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई करेगी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवक घर से कब निकला था और आखिरी बार किसके साथ देखा गया था। मामले को लेकर बाजना थाना प्रभारी मनीष डाबर ने बताया, 'संदिग्ध हालात में युवक का शव मिला है। सारे तथ्यों को ध्यान में रख जांच की जा रही है। मर्ग कायम किया है। '

## तालाब में नहाते समय चार किशोरियां डूबीं, दो की मौत 2 को ग्रामीणों ने बचाया, एक नाबालिग को बचाते समय हुआ हादसा

**मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)।** मैहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के पटेहरा तालाब में तालाब में नहाने गई तीन नाबालिग किशोरियां और 1 युवती गहरे पानी में डूब गईं। घटना शनिवार सुबह की है। हादसे में दो किशोरियों की मौत हो गई है, जबकि दो अन्य को स्थानीय लोगों ने बचा लिया।

**तालाब में नहाने गई थी:** पटेहरा बीड़ी कॉलोनी की एक युवती और तीन नाबालिग तालाब में नहाने गई थीं। नहाते समय एक किशोरी का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चली गई। उसे बचाने के प्रयास में अन्य तीनों भी आगे बढ़ीं, जिससे वे सभी गहरे पानी में डूबने लगीं। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दो बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

**हादसे में 2 की मौत, 2 को ग्रामीणों ने बचाया:** मृतकों की पहचान पूनम चौधरी (10 साल), पिता मुकेश चौधरी और आंचल चौधरी (20), पिता रामसजीवन चौधरी, निवासी बीड़ी कॉलोनी पटेहरा के रूप में हुई है। बचाव दल ने दोनों शवों को तालाब से बाहर निकाल लिया है। शवों को सिविल अस्पताल मैहर भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम दिव्या पटेल, तहसीलदार जितेंद्र पटेल और थाना प्रभारी महेंद्र सिंह चौहान मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## 60 क्वार्टर अवैध शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

**सलामतपुर,एजेंसी।** सलामतपुर पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की। ग्राम बासिया में पान की गुमठी से 60 क्वार्टर अवैध शराब जब्त की। एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना में बताया गया था कि गुमठी पर एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बेच रहा है।

# रतलाम में लूट कर अगले दिन की हत्या: शादी में डांस के दौरान लहराया चाकू, रोका तो युवक को मारा; पिता-बेटी को ओवरटेक कर लूटा था

**मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)।** पांच दिन पूर्व रतलाम के माही नदी के आगे बाइक सवार पिता व बेटी के साथ लूट की घटना को अंजाम देने वाले बदमाशों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। बदमाश लूट के अगले दिन एक शादी में शामिल हुए थे। वहां डीजे पर नाचने के दौरान विवाद कर एक युवक पर पत्थरों व चाकू से हमला कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने लूट व हत्या के आरोप में 4 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। एक फरार है। सैलाना एसडीओपी नीलम बघेल ने बताया 13 अप्रैल 2026 को फरियादी कादर खां (60) निवासी ग्राम पाटी कुशलगढ़, जिला बांसवाड़ा (राजस्थान) अपनी बेटी व पौते के साथ जावरा में शादी से लौट कर अपने घर जा रहे थे। बाजना थाने के माही नदी से आगे ग्राम रतनगढ़ पीठ में अज्ञात बदमाशों ने दो बाइक से पीछे से ओवरटेक कर कादर खां के गले पर चाकू अड़ा दिया था।

**20 हजार नगदी व ज्वेलरी लूटी:** मारपीट कर बदमाश कादर खान से 5 हजार रुपए नगद, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, जनआधार कार्ड लूट लिया। बेटी के पर्स से 15 हजार रुपए, गले से मंगलसूत्र, कान के टॉप्स, कपड़ों से भरा बैग के साथ दोनों के मोबाइल भी छीन लिए। लूट के दौरान बाजना की तरफ से एक पिकअप की रोशनी दिखने पर बदमाश वहां से भाग गए थे। लूट के शिकार पिता और बेटी रात में जैसे-तैसे बाजना में अपने रिश्तेदार के यहां पहुंचे। घटनाक्रम बताते हुए बाजना पुलिस थाना पर घटनाक्रम की सूचना दी। घटना के बाद खुद एसपी अमित कुमार व अन्य पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच सारे तथ्यों को देखा था।

**लूटेरों ने अगले दिन युवक की हत्या की:** पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी थी कि अगले दिन बाजना थाना के गांव देवीपाड़ा में 14 अप्रैल की रात एक 30 वर्षीय युवक बाजना थाना के ग्राम देवीपाड़ा में घायल अवस्था में मिला था। युवक को रतलाम मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई थी। युवक की पहचान सुनील झोड़िया निवासी ग्राम देवीपाड़ा थाना बाजना के रूप में हुई थी। पत्नी ने पुलिस को बताया था कि मामा ससुर के घर शादी में डीजे पर नाचने की बात को लेकर पति से निलेश झोड़िया व उसके अन्य साथियों द्वारा विवाद किया था। सभी ने एकमत होकर पति पर चाकू व पत्थरो से हमला कर मारपीट की। इससे पति की मौत हो गई। पुलिस हत्या का केस दर्ज कर जांच में जुटी।

**शादी में लहराया था चाकू:** लूट के बाद पुलिस ने घटना वाले क्षेत्रों के आसपास 8 से अधिक मुखबिरों की मदद से पुलिस लूट के बदमाशों तक पहुंची। तभी पुलिस को पता चला कि बदमाशों ने लूट के अगले दिन गांव देवीपाड़ा में आयोजित शादी समारोह में चाकू लहराते हुए डांस करने लगे। इस दौरान सुनील ने आरोपियों को डांस करने से रोका। उस समय तो आरोपी वहां से निकल गए। कुछ देर बाद सुनील अपने घर की और रवाना हुआ। तब रास्ते में आरोपियों ने उस पर चाकू और पत्थरों से हमला करते हुए उसको घायल कर दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी।

### मुखबिर तंत्र को किया एक्टिव:

उक्त दोनों घटना एक ही थाना क्षेत्र में होने के कारण एसपी अमित कुमार ने एएसपी विवेक कुमार के निर्देशन में टीम बनाई। टीम में सैलाना एसडीओपी नीलम बघेल समेत अन्य अधिकारियों को शामिल किया।

### यह हुए गिरफ्तार:

निलेश पिता नारु झोडिया निवासी चिकनी, शंभु पिता कालु भाभर निवासी रतनगढ पीठ, सुभाष पिता सोहन सिगाड निवासी पिपलीपाडा तीनों थाना बाजना, तोलु पिता राजु खडिया निवासी मलवासी थाना रावटी को गिरफ्तार किया। जबकि एक आरोपी अश्विन कटारा निवासी केलदा थाना शिवगढ़ हालमुकाम बिबड़ोद फरार है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 2 बाइक, कपड़े और पर्स जब्त किए हैं।

# पिपरिया में युवक-युवती ने जहर खाकर दी जान दो दिन पहले युवक के लिए रिश्ता आया था

**मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)।** पिपरिया के स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम छिरई में शुक्रवार को एक युवक और एक युवती ने जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी कर ली। दोनों ने कुछ घंटों के अंतराल पर जहर खाया, जिससे अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले को प्रेम प्रसंग से जोड़कर देख रही है।

**युवक की मौत के बाद युवती ने खाया जहर:** पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 4 बजे रतिराम यादव (25) ने जहर खा लिया था, जिसकी शाम 7 बजे अस्पताल में मौत हो गई। रतिराम की मौत की खबर मिलते ही पड़ोस में रहने वाली अभिलाषा यादव (19) ने भी जहर निगल लिया।

रात करीब 10 बजे अभिलाषा ने भी दम तोड़ दिया।

**दो दिन पहले युवक के रिश्ते की चली थी बात:** रतिराम के पिता विष्णु यादव ने बताया कि उनका बेटा दोपहर में उनके साथ ही था। दो दिन पहले ही वे बेटे के रिश्ते की बात करने नजदीकी गांव गए थे। वहीं अभिलाषा के पिता रामस्वरूप ने बताया कि उनकी बेटी 12वीं तक पढ़ी थी। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल लाया गया था।

**एक ही समाज के हैं दोनों परिवार:** एएसआई पंकज नामदेव ने बताया कि दोनों मृतक एक ही समाज के हैं और उनके घर भी आसपास हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। दोनों के शवों को मर्चुरी में रखवाया गया है, जिनका शनिवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

**पुलिस जांच में जुटी:** शुरुआती जांच और घटनाक्रम को देखते हुए पुलिस इसे प्रेम प्रसंग का मामला मान रही है। हालांकि, अभी तक कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है ताकि आत्मघाती कदम उठाने की सही वजह पता चल सके।

## टाइगर रिजर्व में सागौन की कटाई, 120 नग लट्ठे जब्त:पुरैना बीट में तस्करों ने कटाई कर रखी थी लकड़ी, टीम ने दबिश देकर पकड़ी

**मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)।** सागर के वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की पुरैना बीट में सागौन की अवैध कटाई का मामला सामने आया है। लकड़ी तस्कर सागौन की कटाई कर जंगल में छिपाकर रख रहे थे। मौका मिलते ही वह परिवहन कर बाहर ले जाते थे। इसी बीच वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली। सूचना पर टीम गठित कर कार्रवाई के लिए रवाना की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में सागौन की लकड़ी जब्त की गई। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की नौरादेही रेंज की पुरैना बीट में वन विभाग ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से संग्रहित करीब 120 नग लकड़ी (लगभग 6 घन मीटर) सागौन और अन्य प्रजाति की लकड़ी जब्त की है। शुक्रवार को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

कर जांच में लिया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। डीएफओ रजनीश सिंह ने बताया कि मामले में वन विभाग की टीम कार्रवाई कर रही है। मामले की जांच जारी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि आमजन वन और वन्यजीवों की सुरक्षा में सहयोग करें। किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत वन विभाग को दें।

## पन्ना में तीन बच्चों की मां ने खाया जहर, मौत दो बच्चों को छोड़कर आई थी ससुराल, ढाई महीने से थी मायके में

**मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)।** पन्ना जिले के सलेहा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गंज में कीट नाशक (चूहा मार) खाने से एक 26 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मृतक की पहचान सुनीता वर्मा के रूप में हुई है, जो अपने मायके आई हुई थी। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, सुनीता वर्मा फरवरी माह में अपनी तीन वर्षीय बेटी राधिका के साथ ग्राम गंज स्थित अपने मायके आई थीं। शुक्रवार, 17 अप्रैल की रात लगभग 9 बजे उन्हें अचानक उल्टी और चक्कर आने लगे। परिजनों ने तत्काल उन्हें सलेहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

प्राथमिक उपचार के बाद सुनीता की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल पन्ना रेफर कर दिया।

शनिवार, 18 अप्रैल को इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

मृतक के पिता सुंदर वर्मा ने बताया कि सुनीता का विवाह वर्ष 2018 में महोबा के चरखारी (महोबा टोला) निवासी पूरन वर्मा से हुआ था। उनके दो अन्य बच्चे, 5 वर्षीय कल्पित और 6 वर्षीय अन्नू, अपने पिता के साथ ही रहते थे। घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। उनके पिता एक 'लगुन' कार्यक्रम में गए थे, जबकि भाई अपने मामा के घर गया हुआ था। इसी दौरान सुनीता ने यह कदम उठाया। महिला ने किन परिस्थितियों और किन कारणों से जहर का सेवन किया, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

## खरगोन में स्पार्किंग के बाद टूटे तार, राहगीर बाल-बाल बचे: 5 हजार लोग रातभर अंधेरे में रहे

**मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)।** कसरावद के पाटीदार मोहल्ले में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब अचानक बिजली के तारों में स्पार्किंग शुरू हो गई और कुछ ही देर में तार टूटकर गिरने लगे। घटना पुरानी कन्याशाला मार्ग की बताई जा रही है, जहां देर रात यह हादसा हुआ।

**15 मिनट तक होती रही स्पार्किंग:** स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 15 मिनट तक बिजली के तारों से चिंगारियां निकलती रहीं और तेज आवाजें आती रहीं। अचानक तेज रोशनी और धमाके जैसी आवाजों से लोग घबरा गए और अपने घरों से बाहर निकल आए। घटना के दौरान वहां से गुजर रहे दो राहगीर भी इस हादसे की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। अगर तार सीधे उनके ऊपर गिर जाते तो

बड़ा हादसा हो सकता था।

**बिजली आपूर्ति तुरंत की गई बंद:** मामले की सूचना मिलते ही विद्युत वितरण कंपनी को जानकारी दी गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत बिजली सप्लाई बंद कर दी गई, जिससे पूरे इलाके में अंधेरा छा गया।

घटना के बाद स्थानीय लोगों में बिजली व्यवस्था को लेकर भारी नाराजगी देखने को मिली। लोगों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में पुराने तार, जर्जर खंभे और कम क्षमता वाले ट्रांसफार्मर लंबे समय से समस्या बने हुए हैं।

# छतरपुर के मुख्य बाजार में महिला-युवक में मारपीट वीडियो में दोनों एक दूसरे को मारते नजर आए, राहगीरों ने बचाया

**मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)।** छतरपुर शहर के मुख्य बाजार में शुक्रवार देर रात एक महिला और युवक के बीच विवाद के बाद सरेराह मारपीट हो गई, घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में है, हालांकि पुलिस को अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है।

**देर रात सुनसान बाजार में शुरू हुआ विवाद:** छतरपुर के मुख्य बाजार में देर रात उस समय हलचल मच गई जब एक महिला और युवक के बीच अचानक विवाद शुरू हो गया। उस समय बाजार की सड़कें लगभग सुनसान थीं और दोनों साथ चलते हुए नजर आ रहे थे। शुरुआती कहासुनी कुछ ही पलों में मारपीट में बदल गई। वायरल वीडियो में दोनों एक-दूसरे पर हाथ उठाते और सड़क पर चलते-चलते झगड़ते दिखाई दे रहे हैं। घटना ने वहां मौजूद लोगों को भी चौंका दिया।

**युवक ने महिला को धक्का देकर गिराया:** प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विवाद के दौरान युवक ने महिला को धक्का देकर सड़क किनारे चबूतरे और नाली के पास गिरा दिया। इसके बाद उसने महिला की पिटाई शुरू कर दी। महिला खुद को बचाने की कोशिश करती रही, लेकिन युवक लगातार हमला करता रहा।

**राहगीरों ने किया बीच-बचाव:** इसी दौरान पीछे से आ रही एक कार में सवार कुछ युवकों ने घटना देखी और तुरंत गाड़ी रोक दी। वे नीचे उतरकर मौके पर पहुंचे और दोनों के बीच चल रही मारपीट को रोकने का प्रयास किया। कार सवार युवकों ने महिला को युवक के कब्जे से छुड़ाया, जिसके बाद स्थिति कुछ हद तक शांत हुई और मारपीट रुक गई। उनकी तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया।

### घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल :

घटना के दौरान कार में मौजूद युवकों ने ही पूरा वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि महिला और युवक एक-दूसरे को पहले से जानते थे और संभवतः किसी रिश्ते में हो सकते हैं। हालांकि इस बात की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

### अब तक नहीं हुई पहचान :

मारपीट करने वाले महिला और युवक की पहचान अभी तक सामने नहीं आ पाई है। इस कारण घटना से जुड़े कई सवाल अभी भी अनसुलझे हैं। सिटी कोतवाली पुलिस का कहना है ।

# आरसीबी के सामने हार का क्रम तोड़ना डीसी के लिए चुनौती, हेड-टू-हेड में बेंगलुरु आगे

**बेंगलुरु, एजेंसी।** आईपीएल 2026 का 26वां मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच शाम 3:30 बजे से खेला जाएगा। आरसीबी सीजन के 5 मैचों में 4 जीत के साथ अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है। टीम ने पिछले 2 मैच जीते हैं और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होम ग्राउंड में होने वाले मुकाबले में अपनी जीत की लय को बरकरार रखने के उद्देश्य से उतरेगी। आरसीबी की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों मजबूत नजर आई है। बल्लेबाजी में विराट कोहली, रजत पाटीदार, टिम डेविड और देवदत्त पड्डिकल ने निरंतरता दिखाई है, जबकि सॉल्ट, शेफर्ड और अय्यर ने कई अच्छी पारियां खेली हैं। वहीं गेंदबाजी में क्रुणाल पांड्या, सुयश शर्मा, भुवनेश्वर कुमार, रसिख सलाम और जोश हेजलवुड ने प्रभावित किया है।

डीसी के खिलाफ जीत हासिल कर आरसीबी अंकतालिका में पहला स्थान हासिल करना चाहेगी।

दिल्ली कैपिटल्स की बात करें तो टीम ने सीजन के शुरुआती 2 मैच जीते थे, लेकिन उसके बाद

टीम को लगातार 2 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। आरसीबी के खिलाफ डीसी अपनी हार का सिलसिला तोड़ने की कोशिश करेगी।

डीसी के लिए आरसीबी को उसके घर में रोकना बिल्कुल भी आसान नहीं होने वाला है। इसके लिए टीम को गेंदबाजी और बल्लेबाजी के साथ ही क्षेत्ररक्षण में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। डीसी को इस मैच में केएल राहुल, मिलर, और स्टब्स से प्रभावी पारी और मुकेश कुमार, एंगिडी, नटराजन, और कुलदीप यादव से बेहतरीन गेंदबाजी की उम्मीद रहेगी। कप्तान अक्षर पटेल को भी गेंद और बल्ले से अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

मैच के दौरान बेंगलुरु में मौसम साफ और नमी वाला रहने की उम्मीद है। मैच के दौरान बारिश की कोई संभावना नहीं है।

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच बल्लेबाजी के अनुकूल मानी जाती है। सीजन में अब तक यहां खेले गए तीनों मैच हाई-स्कोरिंग रहे हैं। आरसीबी अपने घर में तीनों ही मैचों में अपराजेय रही है।

आरसीबी और डीसी के बीच अब तक 33 मुकाबले खेले गए हैं। आरसीबी का पलड़ा भारी रहा है। टीम ने 20 मैचों में जीत दर्ज की है। डीसी ने 12 मैच जीते हैं। एक मैच का परिणाम नहीं आया है।

## भारतीय महिला हॉकी टीम की जबरदस्त वापसी, अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज 2-2 पर खत्म

**ब्यूनस आयर्स, एजेंसी।** भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ चार मुकाबलों के दौरे को 2-2 की बराबरी पर खत्म किया। सीरीज की मुश्किल शुरुआत के बाद, भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए अपने आखिरी 2 मैच जीतकर दौरे का शानदार अंत किया। इस दौरे की शुरुआत 13 अप्रैल को एक कड़े मुकाबले वाले मैच से हुई, जिसमें नवनीत कौर (22') और अन्नू (29') ने भारत के लिए गोल किए। हालांकि, अर्जेंटीना ने यह मैच 4-2 से जीता, जिसमें मारिया एमिलिया लार्सन (11'), विक्टोरिया ग्रैनाटो (18'), और जूलिएटा जानकुनास (42', 55') ने गोल किए, लेकिन भारत ने पूरे मैच के दौरान जोरदार आक्रामक खेल दिखाया। 14 अप्रैल को खेले गए दूसरे मुकाबले में, इशिका (22') ने भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन मेजबान टीम ने 2-1 से करीबी जीत दर्ज की। अर्जेंटीना की तरफ से दोनों गोल अगस्टिना गोरजेलानी (34', 48') ने दागे।

16 अप्रैल को तीसरे मैच में भारत ने अपनी लय हासिल कर ली और 2-1 से जीत दर्ज करके सीरीज में अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं। नवनीत कौर (26') और नेहा (37') दोनों ने पेनाल्टी कॉर्नर से गोल करके भारत को 2-0 की आरामदायक बढ़त दिलाई।

अर्जेंटीना की अगस्टिना गोरजेलानी (52') के आखिरी समय में किए गए गोल के बावजूद, भारतीय टीम ने अपना संयम बनाए रखा और जीत हासिल करके आखिरी दिन के मुकाबले को रोमांचक बना दिया।

17 अप्रैल को, सीरीज का आखिरी मुकाबला कड़ा था जो 0-0 की बराबरी पर खत्म हुआ। दोनों टीमों को गोल करने के मौके मिले, लेकिन भारतीय डिफेंडरों ने पूरे मैच के दौरान मजबूती से डटे रहकर कोई गोल नहीं होने दिया। शूटआउट में, भारत ने अपना संयम बनाए रखा और 3-2 से जीत दर्ज करके यह सुनिश्चित किया कि सीरीज बराबरी पर खत्म हो।

अब टीम अपने घर लौटेगी, जहां वे अपना ट्रेनिंग कैंप जारी रखेंगी और इन सकारात्मक नतीजों को आगे बढ़ाएंगी। यह दौरा उनकी तैयारियों का एक अहम हिस्सा रहा है, जिसने टीम को विरोधी टीम के घर पर एक शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ खेलने का महत्वपूर्ण अनुभव दिया है।

## अंजू बॉबी जॉर्ज: विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अंजू बॉबी जॉर्ज भारत की एक सम्मानित एथलीट रही हैं। ऊंची कूद में वह देश का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष महिला एथलीट रही हैं, और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर उन्होंने देश का नाम रोशन किया है। अंजू का जन्म 19 अप्रैल, 1977 दक्षिण मध्य केरल के कोट्टायम जिले के छोटे से कस्बा चीरनचीरा में हुआ। उन्होंने पांच वर्ष की उम्र में एथलेटिक्स स्पर्धाओं में भाग लेना शुरू कर दिया था। एथलेटिक्स में आगे आने के लिए अंजू को अपनी मां और पिता से काफी सहयोग मिला। अंजू स्कूल के समय से ही ऊंची कूद की प्रतिभाशाली एथलीट के रूप में उभरीं। अंजू बॉबी जॉर्ज का करियर लंबा और सफलताओं से भरपूर रहा है। पी.टी उषा को अपना आदर्श मानने वाली जॉर्ज ने अपनी कड़ी मेहनत और संकल्प की बदौलत एथलेटिक्स के क्षेत्र में बड़ा नाम बनाया और लाखों महिला एथलीटों के प्रेरणा के रुप में उभरीं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीत उन्होंने देश का नाम रोशन किया।

उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियों पर नजर डालें तो वह विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला एथलीट हैं। उन्होंने वर्ष 2003 में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा, 1999 में अंजू ने दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 2001 में अंजू ने लम्बी कूद रिकार्ड कायम किया। उन्होंने 6.74 मीटर लम्बी छलांग लगाई। उनकी दुनिया में 13वीं रैंकिंग रही है। विश्व चैंपियनशिप के लिए सातवीं रैंकिंग भी मिल चुकी है।

मैनचेस्टर में 2002 में खेले गए राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने कांस्य पदक जीता। 2002 में ही बुसान में आयोजित एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता। एथेंस ओलंपिक में 2004 में, अंजू को ध्वजवाहक का सम्मान प्राप्त हुआ। उन्होंने 2005 में वर्ल्ड एथलेटिक्स फाइनल में स्वर्ण पदक जीता, जिसे वह अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन मानती हैं। 2008 में तीसरी दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। एथलेटिक्स में उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने 2002 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार, 2003 में 'खेल रत्न', और 2004 में पद्मश्री से सम्मानित किया था।

## हीरो से जीरो बने रिंकू सिंह, आईपीएल 2026 में लगातार असफलता ने बढ़ाई केकेआर की परेशानी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईपीएल 2023 में 9 अप्रैल को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस (जीटी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मैच खेला गया था। इस मैच ने भारतीय क्रिकेट को रिंकू सिंह के रूप में एक बड़ा सितारा दिया था जिसके दिन आजकल गर्दिश में चल रहे हैं। पहले 9 अप्रैल तरफ से गेंदबाजी के लिए आए यश दयाल की पहली गेंद पर उमेश यादव ने सिंगल लेकर स्ट्राइक रिंकू सिंह को दे दी। इसके बाद रिंकू ने लगातार 5 छक्के लगाते हुए केकेआर को जीत दिला दी। क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ था जब किसी बल्लेबाज ने लगातार 5 छक्के लगाते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई

को हुए उस मैच को याद कर लेते हैं। 205 रन के लक्ष्य का सामना कर रही केकेआर को आखिरी ओवर में जीत के लिए 29 रन चाहिए थे। क्रीज पर रिंकू सिंह 16 गेंदों पर 18 और उमेश यादव 5 गेंदों पर 4 रन बनाकर खेल रहे थे। आखिरी ओवर में इतने रन बनाकर कोई टीम नहीं जीती थी, इसलिए केकेआर जीत की उम्मीद छोड़ चुकी थी, लेकिन उस मैच के आखिरी ओवर में जो हुआ वो क्रिकेट इतिहास की रोमांचक यादों में दर्ज हो गया। जीटी की थी। रिंकू 21 गेंदों पर 48 रन बनाकर नाबाद लौटे। इस मैच के बाद रिंकू सिंह न सिर्फ केकेआर के, बल्कि भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली और भरोसेमंद चेहरे के रूप में उभरे। उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम में मौका मिला। टीम इंडिया के लिए भी उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। फिनिशर के रूप में कई अच्छी पारियां उनके बल्ले से आई। हालांकि, वह भारतीय टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। टी20 विश्व कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे रिंकू का विश्व कप के शुरुआती मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा था, और उनकी जगह संजू सैमसन को टीम में जगह दी गई थी।

केकेआर ने रिंकू सिंह में हमेशा अपना भविष्य देखा। टीम ने श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल, वेंकटेश अय्यर जैसे खिलाड़ियों को जाने दिया लेकिन आईपीएल 2025 में उन्हें 13 करोड़ देकर रोका।

9 अप्रैल 2023 को रातों-रात सुपरस्टार बने रिंकू सिंह के प्रदर्शन में लगातार गिरावट आई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रनों के लिए संघर्ष करने के बाद रिंकू सिंह आईपीएल में भी संघर्ष कर रहे हैं। आईपीएल 2025 के 13 मैचों की 11 पारियों में 206 रन बनाने वाले रिंकू आईपीएल 2026 के 6 मैचों की 5 पारियों में महज 79 रन बना सके हैं। उनका औसत 19.75 रहा है। उन्हें बल्लेबाजी के लिए चौथे क्रम पर भेजा जाए या फिर छठे क्रम पर, रन नहीं बन रहे। रिंकू सिंह की फॉर्म में गिरावट केकेआर प्रबंधन और भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए चिंता का विषय है और उनके भविष्य पर भी सवाल खड़े करता है।

रिंकू सिंह को केकेआर के मध्यक्रम का सबसे मजबूत बल्लेबाज माना जा रहा था और उन्हें एक ऐसे फिनिशर के रूप में देखा जा रहा था जिसके लिए कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। रिंकू ने अपने प्रदर्शन से न सिर्फ टीम के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है, बल्कि अपनी मुसीबतें भी बढ़ा ली हैं। केकेआर ने इस सीजन की शुरुआत में उन्हें उपकप्तान बनाया था, लेकिन जिस तरह का प्रदर्शन केकेआर और रिंकू का रहा है।

## पूर्व कप्तान सरफराज अहमद हेड कोच बने, पाकिस्तान ने बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित की

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए 16 सदस्यों वाली टीम की घोषणा कर दी है। पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को हेड कोच बनाया गया है। बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए पीसीबी ने खिलाड़ियों के साथ नई कोचिंग टीम की घोषणा भी की है। हेड कोच के रूप में सरफराज अहमद के अलावा, असद शफीक को बल्लेबाजी कोच और उमर गुल को गेंदबाजी कोच बनाया गया है। शान मसूद की कप्तानी बरकरार है। वह मौजूदा आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में एक नई टीम की अगुवाई करेंगे। अब्दुल्ला फजल, अमद बट, अजान अवैस और गाजी गोरी को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। फजल और अवैस, दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। दोनो ने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। विकेटकीपर-बल्लेबाज गाजी गोरी ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था।

टीम में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, शाहीन अफरीदी, नोमान अली, साजिद खान और सलमान अली आगा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का एक मजबूत कोर शामिल है।

टूर से पहले, जो खिलाड़ी मौजूदा पाकिस्तान सुपर लीग में हिस्सा नहीं ले रहे हैं, वे तैयारी के लिए 27 अप्रैल से 1 मई तक कराची में रेड-बॉल ट्रेनिंग कैंप के लिए इकट्ठा होंगे।

दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 8 से 12 मई, शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में और दूसरा मुकाबला 16 से 20 मई तक सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होगा। पाकिस्तान वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में 50 प्रतिशत अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। उनका लक्ष्य आठवें स्थान पर मौजूद बांग्लादेश टीम के खिलाफ अपनी स्थिति में सुधार करना है। बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम: शान मसूद (कप्तान), अब्दुल्ला फजल, अमद बट, अजान अवैस, बाबर आजम, हसन अली, इमाम-उल-हक, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद रिजवान, गाजी गोरी, नोमान अली, साजिद खान, सलमान अली आगा, सऊद शकील, शाहीन शाह अफरीदी।

## SRH-CSK के बीच आगे निकलने की होड़, हेड-टू-हेड में हैदराबाद पीछे

**हैदराबाद, एजेंसी।** आईपीएल 2026 का 27वां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमों के पास इस मैच को जीतकर अंकतालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका है। ईशान किशन की कप्तानी में खेल रही एसआरएच का अबतक का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। टीम सीजन के 5 मैचों में 2 जीत और 3 हार के साथ अंकतालिका में पांचवें स्थान पर है। पिछले मैच में एसआरएच ने मजबूत राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 57 रन से हराया था। आरआर के खिलाफ जीत ने निश्चित तौर पर टीम के आत्मविश्वास को बढ़ाया है, लेकिन टीम को अपने प्रदर्शन में सुधार लाना होगा। बल्लेबाजी में ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन निरंतरता के साथ रन बना रहे हैं। अभिषेक शर्मा और नितीश कुमार रेड्डी ने भी कुछ अच्छी पारियां खेली हैं। ट्रेविस हेड की लगातार असफलता टीम के लिए बड़ी चिंता बनी है। हेड की असफलता की वजह से एसआरएच को अच्छी

शुरुआत नहीं मिल पा रही है। उनका का फॉर्म में लौटना एसआरएच के लिए अहम है।

गेंदबाजी में प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हसन ने टीम को मजबूती दी है। ईशान मलिंगा और शिवांग कुमार ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। आरआर के खिलाफ हिंगे और हुसैन ने डेब्यू करते हुए टीम को जीत दिलाई थी। सीएसके के खिलाफ भी कप्तान ईशान को इन दोनों से काफी उम्मीदें होंगी। सीएसके की बात करें तो सीजन की शुरुआत टीम के लिए बेहद निराशाजनक रही थी। टीम ने शुरुआती 3 मैच गंवाए थे, लेकिन इसके बाद लगातार 2 मैचों में जीत हासिल करने के बाद आत्मविश्वास बढ़ा है। टीम अंकतालिका में आठवें स्थान पर है। सीएसके जीत की लय को एसआरएच के खिलाफ भी बरकरार रखने की कोशिश करेगी। सीएसके की सबसे बड़ी समस्या उसकी बल्लेबाजी है। संजू सैमसन और आयुष म्हात्रे को छोड़कर और कोई भी बल्लेबाज फॉर्म में नहीं दिखा है। डेवाल्ड ब्रेविस ने पिछले मैच में जरूर अच्छी पारी खेली थी। जेमी ओवरटन ने भी निचले क्रम में आकर अच्छी बल्लेबाजी की है। एसआरएच के खिलाफ इन बल्लेबाजों के साथ ही कप्तान और पारी की शुरुआत कर रहे ऋतुराज गायकवाड़ को भी प्रभावी पारी खेलनी होगी। शिवम दुबे को भी अपना जाना-माना अंदाज दिखाना होगा। एमएस धोनी के इस मैच में भी खेलने की संभावना कम है। खलील अहमद के बाहर होने से सीएसके की गेंदबाजी कमजोर हुई है। अंशुल कंबोज, गुरजपनीत और जेमी ओवरटन को तेज गेंदबाजी तो अकिल हुसैन और नूर अहमद को अपनी स्पिन से पिछले मैच की तरह कमाल दिखाना होगा। हैदराबाद में बारिश की कोई संभावना है। गर्मी चरम पर है। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को मदद करती है। पारी की शुरुआत में, तेज गेंदबाज अच्छा बाउंस निकाल सकते हैं। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता है, पिच बल्लेबाजी के लिए आसान हो जाती है। एसआरएच-सीएसके मुकाबले में रनों की बारिश देखने को मिल सकती है।

सीएसके और एसआरएच के बीच कुल 22 मैच खेले गए हैं। इसमें सीएसके का पलड़ा भारी है।

# पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने उदयपुर के मतरिंगा में शेड निर्माण का किया भूमिपूजन

## रिहंद नदी उद्गम स्थल को विकसित कर स्थानीय रोजगार सृजन पर जोर

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** रिहंद नदी उद्गम स्थल को विकसित कर स्थानीय रोजगार सृजन पर जोररिहंद नदी उद्गम स्थल को विकसित कर स्थानीय रोजगार सृजन पर जोर सरगुजा क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाओं को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर सक्रिय है। इसी क्रम में उदयपुर के मतरिंगा (सितकालो) में शेड निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन आज संपन्न हुआ। इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। मतरिंगा (सितकालो) क्षेत्र रिहंद नदी के उद्गम स्थल के रूप में अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक महत्ता के लिए जाना जाता है। यहां का मनोहारी प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण पर्यटकों को आकर्षित करने की अपार क्षमता रखता है। प्रस्तावित शेड निर्माण से पर्यटकों के लिए मूलभूत सुविधाएं सुलभ होंगी, जिससे इस स्थल की लोकप्रियता और भी बढ़ेगी।

मंत्री श्री अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य सरगुजा क्षेत्र के प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण करते हुए उन्हें पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाना है। उदयपुर जैसे रमणीय स्थल को विकसित कर न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने आगे कहा कि पर्यटन विकास के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। इस दिशा में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, पर्यटक अनुकूल वातावरण और स्थानीय सहभागिता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। इससे न केवल पर्यटकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्रवासियों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक परिवर्तन आएगा। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

### चिन्हारी योजना से सशक्त हो रही छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति

# लोक कलाकारों को मिल रही नई पहचान परंपराओं के संरक्षण को मिल रहा बढ़ावा

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा संचालित चिन्हारी योजना राज्य की समृद्ध लोक-संस्कृति, परंपराओं और लोक कलाकारों को नई पहचान देने का सशक्त माध्यम बनती जा रही है। इस योजना के माध्यम से न केवल पारंपरिक कला रूपों का संरक्षण हो रहा है, बल्कि कलाकारों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से भी सशक्त किया जा रहा है। चिन्हारी योजना के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में लोक कलाकारों, शिल्पकारों, गायकों और नर्तकों की पहचान कर उनका पंजीयन किया जा रहा है। इससे एक व्यापक सांस्कृतिक डेटाबेस तैयार हो रहा है, जो भविष्य में कला के संरक्षण और संवर्धन में सहायक सिद्ध होगा।

योजना के अंतर्गत चयनित कलाकारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है तथा उन्हें राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी कला प्रस्तुत करने के अवसर भी दिए जाते हैं। इसके साथ ही मेलों, उत्सवों और शासकीय कार्यक्रमों में इन कलाकारों की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है, जिससे उन्हें व्यापक पहचान मिल रही है। चिन्हारी योजना से सशक्त हो रही छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृतिनई पीढ़ी को लोक संस्कृति से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन भी इस योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा देते हुए अनुभवी कलाकारों के मार्गदर्शन में युवाओं को पारंपरिक कला का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

# छत्तीसगढ़ के सीतापुर से भाजपा विधायक राम कुमार टोप्पो के विरुद्ध दायर याचिका ख़ारिज

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** बिलासपुर स्थित छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने सीतापुर से भाजपा विधायक राम कुमार टोप्पो एवं निर्वाचन अधिकारी रवि राही के विरुद्ध दायर की गई छत्तीसगढ़ विधान सभा चुनाव 2023 से संबंधित चुनाव याचिका को आज खारिज कर दिया है। यह फैसला जस्टिस संजय के. अग्रवाल की सिंगल बेंच ने सुनाया है। सीतापुर विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी मुन्ना लाल टोप्पो द्वारा उच्च न्यायालय में निर्वाचन याचिका प्रस्तुत की गई थी, जिसमें वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में उनके नामांकन पत्र को निरस्त किए जाने को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता का पक्ष था कि उनका नामांकन गलत आधार पर अस्वीकृत किया गया। प्रकरण में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता डॉ. जितेन्द्र किशोर मेहता एवं आनंद कुमार कुजूर ने पक्ष रखा। राज्य निर्वाचन आयोग/प्रतिवादी क्रमांक 1 से 3 की ओर से राकेश कुमार झा, अधिवक्ता उपस्थित हुए। वहीं प्रतिवादी क्रमांक 4, सीतापुर क्षेत्र के निर्वाचित विधायक रामकुमार टोप्पो (भाजपा) की ओर से शरद मिश्रा, अधिवक्ता ने पैरवी की।

कोर्ट ने निर्वाचन याचिका क्रमांक 01/2024 में महत्वपूर्ण निर्णय पारित करते हुए सीतापुर (अनुसूचित जनजाति) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित चुनाव याचिका को निरस्त कर दिया है। प्रतिवादी रामकुमार टोप्पो की ओर से तर्क प्रस्तुत किया गया कि याचिकाकर्ता ने स्वयं अपने नाम निर्देशन पत्रों एवं शपथपत्र में यह स्पष्ट स्वीकार किया है कि उसके समुचित सरकार के साथ वर्तमान में अनुबंध विद्यमान हैं। अतः स्वयं द्वारा किए गए इस स्वीकारोक्ति के बाद याचिकाकर्ता यह नहीं कह सकता कि वह अयोग्यता से मुक्त था या उसका नामांकन गलत रूप से निरस्त किया गया।

### अम्बिकापुर में विकास को नई रफ्तारः

# पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने 7 करोड़ की लागत से बनने वाले 120 मीटर लंबे पुल का किया भूमि पूजन

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण का सिलसिला लगातार जारी है। इसी कड़ी में अम्बिकापुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बड़गांव-पनगोती मार्ग पर स्थित भालू नाला पर पुल निर्माण एवं पहुँच मार्ग के कार्य का आज पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने विधिवत भूमिपूजन किया। लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले इस पुल की लंबाई 120 मीटर तथा पहुँच मार्ग की लंबाई 362 मीटर होगी। इस पुल के निर्माण से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होगा और विशेष रूप से बड़गांव, पनगोती सहित आसपास के कई गांवों के निवासियों को सीधा लाभ मिलेगा। अब तक बारिश के मौसम में बाधित रहने वाला यह मार्ग पुल बनने के बाद वर्षभर सुगम और सुरक्षित रहेगा, जिससे स्थानीय जनजीवन और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। मंत्री अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क और पुल जैसी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से न केवल कनेक्टिविटी मजबूत होती है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के अवसर भी बढ़ते हैं।

अम्बिकापुर के समग्र विकास और क्षेत्रवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रारंभ की गई यह परियोजना निश्चित रूप से क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस जन-उपयोगी कार्य के शुभारंभ पर क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है और उन्होंने सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

## छीसगढ़ उच्च न्यायालय में पांच अतिरित न्यायाधीश बने स्थायी न्यायाधीश

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के उपरांत छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है। नियुक्त किए गए न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति सचिन सिंह राजपूत, न्यायमूर्ति राधाकिशन अग्रवाल, न्यायमूर्ति संजय कुमार जायसवाल, न्यायमूर्ति बिभु दत्ता गुरु तथा न्यायमूर्ति अमितेन्द्र किशोर प्रसाद शामिल हैं। इन सभी न्यायाधीशों को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्तियां न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ मामलों के त्वरित निपटारे में सहायक होंगी।

# जल जीवन मिशन से संवरी बुलगा की तस्वीर

## जीवंती बाई के घर तक पहुँचा शुद्ध पेयजल

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** जल जीवन मिशन ने छत्तीसगढ़ के बुलगा (Bulga) जैसे गांवों में घर-घर स्वच्छ पेयजल पहुंचाकर जीवन स्तर को बदल दिया है। बुलगा गाँव में अब हर घर में नल का कनेक्शन है, जिससे ग्रामीण महिलाओं को दूर से पानी लाने की मेहनत से मुक्ति मिली है। ग्रामीण अंचलों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए संचालित 'जल जीवन मिशन' अब ग्रामीणों के जीवन में खुशहाली का नया आधार बन रहा है। कभी पानी के लिए लंबी दूरी तय करने वाली महिलाओं के आंगन में आज नल से जल की धार बह रही है। इसी बदलाव की एक बानगी सरगुजा जिले के लूण्ड्रा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बुलगा में देखने को मिली है।

**मीलों का सफर थमा, आंगन में आई खुशहालीः** बुलगा निवासी श्रीमती जीवंती बाई ने बताया कि एक समय था जब पीने के साफ पानी का इंतजाम करना दिन का सबसे कठिन कार्य था। पानी के लिए उन्हें घर से काफी दूर जाना पड़ता था, जिससे समय की बर्बादी और शारीरिक थकान होती थी। 'पहले पानी लाने के लिए बहुत लंबा लाइन लगाना पड़ता था, लेकिन अब हमारे घर में नल का कनेक्शन लग गया है। अब सुबह और शाम दोनों वक्त नियमित रूप से शुद्ध पानी घर पर ही मिल जाता है।

**समय की बचत से खेती-किसानी को मिल रहा बढ़ावाः** नल कनेक्शन लग जाने से जीवंती बाई के परिवार के समय की बड़ी बचत हो रही है। उन्होंने बताया कि पानी लाने में जो वक्त खराब होता था, अब उस समय का उपयोग वे खेती-किसानी और अन्य घरेलू कार्यों में कर रही हैं। इससे न केवल उनकी जीवनशैली सुधरी है, बल्कि आर्थिक गतिविधियों के लिए भी अतिरिक्त समय मिल रहा है।

**शासन की योजना के लिए जताया आभारः** गांव के हर घर में पाइपलाइन के माध्यम से पानी पहुंचने पर जीवंती बाई ने हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की इस पहल से ग्रामीण महिलाओं का जीवन अब पहले से कहीं अधिक सुगम और सम्मानजनक हो गया है।जिला प्रशासन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के समन्वित प्रयासों से लुण्ड्रा के दूरस्थ अंचलों में जल जीवन मिशन के लक्ष्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं, ताकि हर ग्रामीण परिवार को 'शुद्ध जल-स्वच्छ पेयजल' प्राप्त हो सके।

# यूरिया का प्रभावी विकल्प बन रही हरी खाद जशपुर में 600 हेक्टेयर में प्रदर्शन

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में टिकाऊ और जैविक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले में रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के उद्देश्य से हरी खाद के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा जशपुर जिले के सभी विकासखंडों में इस वर्ष 600 हेक्टेयर क्षेत्र में हरी खाद का प्रदर्शन किया जा रहा है। किसानों से अपील की गई है कि वे कृषि विभाग के मैदानी अमले से संपर्क कर हरी खाद तकनीक अपनाएं, जिससे मिट्टी की सेहत में सुधार के साथ दीर्घकालीन उत्पादकता सुनिश्चित हो सके।

हरी खाद के अंतर्गत ढेंचा, सनई, मूंग, उड़द और बरसीम जैसी फसलों को खेत में उगाकर 40 से 50 दिन बाद जुताई कर मिट्टी में मिला दिया जाता है। इसके पश्चात 2 से 3 सप्ताह बाद मुख्य फसल की बुवाई की जाती है। यह प्रक्रिया मिट्टी में प्राकृतिक पोषक तत्वों की पूर्ति करती है। हरी खाद के उपयोग से मिट्टी में नाइट्रोजन, पोटाश एवं अन्य आवश्यक पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ती है, साथ ही जैविक पदार्थों में वृद्धि होती है। इससे मिट्टी की जलधारण क्षमता बेहतर होती है और भूमि भुरभुरी एवं अधिक उपजाऊ बनती है। हरी खाद अपनाने से रासायनिक उर्वरकों, विशेषकर यूरिया, की आवश्यकता में कमी आती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, हरी खाद का उपयोग कम लागत में अधिक लाभ देने वाला उपाय है, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक है। राज्य सरकार द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयास किसानों को आत्मनिर्भर और खेती को अधिक टिकाऊ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

# फॉरेस्ट ग्राउंड में बना बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित और अनुशासित कर रहा

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** महासमुंद जिले के ब्लॉक महासमुंद अंतर्गत फारेस्ट ग्राउंड में तैयार किया गया बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड विशेष सुविधा प्रदान करते हुए युवाओं और बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। अगस्त 2025 में पूर्ण होकर यह मैदान आम नागरिकों और खिलाड़ियों के लिए खोल दिया गया है। पहले शहर में बड़े खेल मैदानों की कमी और गलियों में बढ़ती वाहनों की भीड़ के कारण बच्चों और खिलाड़ियों को क्रिकेट खेलने के लिए सुरक्षित और उपयुक्त स्थान नहीं मिल पाता था। निर्माण एजेंसी हाऊसिंग बोर्ड द्वारा निर्मित 4842 वर्ग फुट के सीमित क्षेत्र में विकसित यह बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड एक अभिनव समाधान के रूप में सामने आया। यह स्थान की कमी को दूर करने के साथ ही आधुनिक सुविधाओं के साथ एक सुरक्षित खेल वातावरण भी प्रदान करता है।

बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड में दो पालियों में सुबह 6:00 से 9:00 बजे तक और शाम 4:00 से 8:00 बजे तक संचालित इस ग्राउंड में स्कूली बच्चे, युवा और कामकाजी लोग अपनी सुविधा अनुसार खेल का आनंद ले रहे हैं। 15-20 मिनट के छोटे फॉर्मेट में खेले जाने वाले इस खेल ने व्यस्त जीवनशैली वाले लोगों को भी फिटनेस और मनोरंजन का बेहतर विकल्प दिया है। रात में फ्लडलाइट की सुविधा के कारण खिलाड़ी कार्य के बाद भी अभ्यास कर सकते हैं। ग्राउंड में फ्लोर मेट और चारों ओर मजबूत नेटिंग की व्यवस्था होने से खेल सुरक्षित हो गया है तथा गेंद खोने या आसपास की संपत्ति को नुकसान पहुंचने की संभावना भी समाप्त हो गई है। कम संख्या में खिलाड़ी भी आसानी से खेल सकते हैं, जिससे यह हर आयु वर्ग के लिए उपयुक्त बन गया है। लगभग 25.07 लाख रुपए की लागत से निर्मित इस परियोजना ने जिले में खेल अधोसंरचना को मजबूती दी है। यह युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित और अनुशासित कर रही है। एन.आई.एस. क्रिकेट कोच श्री तृपेश कुमार साहू ने बताया कि बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड में अभ्यास करने से समय की बचत होती है और खिलाड़ी कम समय में अधिक अभ्यास कर पाते हैं। इससे बच्चों की तकनीक में तेजी से सुधार हो रहा है और वे प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो रहे हैं।

# मिशन उत्कर्ष 2.0 के तहत 5 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण प्रारंभ

## शिक्षा गुणवत्ता सुधार एवं शत-प्रतिशत परिणाम का लक्ष्य

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार एवं बेहतर परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा 'मिशन उत्कर्ष 2.0' के अंतर्गत 5 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। यह पहल कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के नेतृत्व में संचालित की जा रही है।

पूर्व में सत्र 2025-26 में प्रारंभ किए गए 'मिशन उत्कर्ष' की सफलता को आगे बढ़ाते हुए सत्र 2026-27 के लिए 'मिशन उत्कर्ष 2.0' का शुभारंभ किया गया है। 10 अप्रैल 2026 को रेडक्रॉस भवन में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार बिश्वरंजन की उपस्थिति में इसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 अप्रैल से 21 अप्रैल तक हाई स्कूल स्तर के शिक्षकों के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का शुभारंभ जेआर दानी कन्या शाला, रायपुर में किया गया, जिसमें हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, सामाजिक विज्ञान एवं गणित विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य नवीन ब्लूप्रिंट की समझ विकसित करना है। उन्होंने ब्लूप्रिंट आधारित प्रश्न पत्र निर्माण, जटिल अवधारणाओं को सरल तरीके से समझाने एवं गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति को अपनाने पर बल दिया। डीपीसी अरुण शर्मा ने शिक्षण को सरल एवं प्रभावी बनाने के लिए नवीन एवं व्यावहारिक तरीकों के उपयोग पर जोर दिया। वहीं नोडल अधिकारी श्रीमती निशा शर्मा ने कक्षा पूर्व तैयारी, विद्यार्थियों के स्तर के अनुसार शिक्षण विधियों के चयन एवं सरल शिक्षण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस में शिक्षकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति रही। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा ऑडियो-वीडियो, पीपीटी एवं नवाचारपूर्ण तरीकों के माध्यम से विषयवार प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान शिक्षण को रोचक एवं प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा की गई।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा